आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 339 | इंदौर, सोमवार 06 जुलाई, 2026 | आषाढ़ कृष्ण 6 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

देश विदेश

पीएम मोदी को ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले धमकी

कैनबरा। पीएम मोदी को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जान से मारने की धमकी मिली है। ऑस्ट्रेलिया की फेडरल पुलिस मोदी को दी गई धमकी की जांच कर रही है। द ऑस्ट्रेलिया टुडे की शनिवार की रिपोर्ट में दावा किया गया कि धमकी फेसबुक पर मेलबर्न मीट्स मोदी कार्यक्रम के प्रचार से जुड़ी एक पोस्ट के नीचे लिखी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, पोस्ट के नीचे अबू मुस्तफा नाम के फेसबुक अकाउंट से लिखा गया, स्टेडियम की छत कार्यक्रम के दौरान बंद रहनी चाहिए, नहीं तो वह ऑस्ट्रेलिया अपनी मौत के लिए आएगा। धमकी सामने आते ही जानकारी ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस को दे दी गई थी। मोदी 8 जुलाई से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया में रहेंगे। 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम 9 जुलाई को मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में होना है।

गद्दारी की भी सीमा होती है मुझे रोकना है तो मारना पड़ेगा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में जारी बगावत के बीच ममता बनर्जी ने कहा कि पार्टी का चुनाव चिह्न कहीं नहीं जाएगा। अगर मुझे रोकना है तो मुझे मारना पड़ेगा। ममता ने बागी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा, अगर हिम्मत है तो खुलकर बीजेपी में शामिल हो जाओ। तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं? मैं जनता के बीच पार्टी का चुनाव चिह्न लेकर जाऊंगी, मेरी आवाज कोई नहीं दबा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि बागी नेता अब खुलकर बीजेपी के लिए काम कर रहे हैं। ममता ने कहा, गद्दारी की भी एक सीमा होती है। ममता का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पार्टी के 20 सांसद और 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। शनिवार को टीएमसी की पश्चिम बंगाल अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

आर्मी ट्रक और एम्बुलेंस की टक्कर में तीन की मौत, गाड़ी के परखच्चे उड़े

श्रीगंगानगर। राजस्थान में श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ में रविवार सुबह करीब 6 बजे नेशनल हाईवे-62 पर सेना के ट्रक और एक प्राइवेट एम्बुलेंस के बीच टक्कर हो गई। एम्बुलेंस में सवार 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। दुर्घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। कुछ समय के लिए जाम लग गया। हादसा सूरतगढ़ सदर थाना क्षेत्र में हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए। घायलों को तुरंत सूरतगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

पंडवानी गायिका तीजन बाई पंचतत्व में विलीन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन हो गया। वे 70 साल की थीं। उन्होंने शनिवार रात 3.15 बजे रायपुर एम्स में अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से बीमार थीं। भारतीय लोक कला में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। रविवार सुबह 11 बजे तीजन बाई के शव को उनके पैतृक गांव गनियारी लाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। तीजन बाई ने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावशाली अभिनय और अनोखी प्रस्तुति शैली से पंडवानी को देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक में नई पहचान दिलाई। महाभारत की कथाओं को सुनाने की प्रेरणा उन्हें नाना से मिली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर शोक जताया और एक्स पर लिखा, तीजनबाई ने छत्तीसगढ़ की लोक कला को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में पहचान दिलाई।

कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को पांच करोड़ का मानहानि नोटिस

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की सरकार पर हमला बोलने की कोशिश अब उन्हीं पर भारी पड़ती नजर आ रही है। उज्जैन की कथित 500 करोड़ रुपए के कोठी भवन को लेकर मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार और वीर भारत न्यास के सचिव श्रीराम तिवारी पर लगाए गए आरोपों के बाद पटवारी को 5 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा गया है। आरोप है कि पटवारी ने बिना तथ्य जांचे न्यास को निजी ट्रस्ट बताकर ऐसा बयान दिया, जिससे श्रीराम तिवारी की सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचा। वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश मेहता ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि पटवारी ने जनता के बीच भ्रम फैलाने के लिए वीर भारत न्यास को निजी संस्था की तरह पेश किया, जबकि यह मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा गठित सार्वजनिक न्यास है।

नया कानून : एक करोड़ का नुकसान तो 3 करोड़ की वसूली : शुभेंदु

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सरकार ने राज्य में कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एक बेहद सख्त कदम उठाया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने साफ कर दिया है कि अब सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों की खैर नहीं होगी। नए कानून के तहत उपद्रवियों से नुकसान की तीन गुना कीमत वसूली जाएगी। शनिवार शाम को भवानीपुर में नागरिक समाज और व्यापारिक समुदाय के सदस्यों के साथ हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने यह बड़ी चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विरोध प्रदर्शन का अधिकार सबको है, लेकिन इसकी आड़ में हिंसा या औद्योगिक इकाइयों को निशाना बनाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दो टूक शब्दों में कहा कि यदि कोई दोषी हर्जाना देने में विफल रहता है, तो उसकी निजी संपत्तियों को नीलाम करके यह राशि वसूल की जाएगी।

भिंड इंटरसिटी के स्लीपर कोच में रोती मिली नवजात

रतलाम में मानवीयता शर्मसार, 4 दिनों में 3 नवजात लावारिस मिले

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

रतलाम में मानवीयता को शर्मसार करने वाली स्थिति पिछले 4 दिनों में सामने आई है। शनिवार को रतलाम जिला मुख्यालय के रेलवे स्टेशन पर भिंड इंटरसिटी के स्लीपर कोच से नवजात शिशु रोता हुआ मिला है। इसके साथ ही पिछले 4 दिनों में जिले में नवजात शिशु के मिलने का यह तीसरा मामला सामने आया है। अधिकारिक स्तर पर सामने आ रहा है कि पिछले 15 दिनों में 4 नवजात शिशु मिले हैं। जिनमें से 3 गहन चिकित्सा इकाई रतलाम मेडिकल कॉलेज में उपचार रत हैं। दो तो ऐसे हैं जिन्हें मां से अलग करने के एक घंटे के दरमियान ही फेंक दिया गया।

रतलाम जिले में नवजात बच्चों को लावारिस छोड़ने का एक बेहद खौफनाक और चिंताजनक सिलसिला सामने आया है। पिछले चार दिनों के भीतर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में तीन नवजात शिशु मिले हैं, जिनमें से एक की मौत हो चुकी है। शनिवार शाम को जब स्थानीय रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर खड़ी भिंड-रतलाम इंटरसिटी एक्सप्रेस के एक स्लीपर कोच में लावारिस हालत में एक नवजात बालिका मिली। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर ट्रेन में मौजूद यात्रियों को इसकी जानकारी हुई, जिसके बाद तुरंत रेलवे पुलिस को सूचित किया गया। जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने नवजात को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे बाल चिकित्सालय के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है। फिलहाल इस बच्ची की हालत सामान्य है। जीआरपी थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर सोहन पाटीदार ने बताया कि शनिवार शाम करीब 4.45 बजे सूचना मिली थी कि भिंड इंटरसिटी के एस-2 स्लीपर कोच में एक नवजात बच्ची पड़ी हुई है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो बच्ची बुरी तरह रो रही थी। तत्काल महिला कांस्टेबल की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया।

जिले में पिछले 15 दिनों में यह चौथा नवजात लावारिस स्थिति में मिला

चार दिनों में 3 नवजात मिले, एक मृत

पिछले चार दिनो में तीन नवजात मिलने का मामला बुधवार से शुरू हुआ था जिसमें दीनदयाल नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मथुरी रोड स्थित रिंग रोड पर एक नाले के पाइप के अंदर एक और नवजात बच्ची लावारिस हालत में तड़पती हुई मिली थी। उसे समय रहते रेस्क्यू कर मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू में भर्ती कराया गया था, जहां उसका उपचार जारी है। गुरुवा को बिलपांक थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक ग्रामीण को लावारिस हालत में एक नवजात बच्ची मृत अवस्था में पड़ी मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। शनिवार शाम रतलाम रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर भिंड इंटरसिटी एक्सप्रेस के एस-2 कोच में जीवित नवजात बालिका मिली।

इनमें से तीन न्यू बोर्न बेबी

जांच में सामने आया है कि यह ट्रेन भिंड से चलकर सुबह करीब 10 बजे रतलाम पहुंचती है, जिसके बाद इसे यार्ड में खड़ा कर दिया जाता है। शाम 4 बजे ट्रेन को वापस प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर लाया जाता है, जहां से यह शाम 5.25 बजे भिंड के लिए रवाना होती है। पुलिस के अनुसार, स्लीपर कोच के गेट लॉक थे, इसलिए आशंका है कि कोई अज्ञात व्यक्ति दूसरे कोच के रास्ते एस-2 कोच के अंदर दाखिल हुआ और बच्ची को कपड़े में लपेटकर सीट पर छोड़कर फरार हो गया। जीआरपी पुलिस रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इधर पिछले 15 दिनों में मिले लावारिस नवजातों के मामले में सहायक संचालक महिला बाल विकास विभाग भारती दांगी का कहना है कि इनमें से तीन न्यू बोर्न बेबी हैं। इन्हें मेडिकल कालेज के गहन चिकित्सा इकाई में उपचार दिया जा रहा है। स्वस्थ स्थिति में इन्हें बाल विकास केंद्र के समक्ष पेश किया जाएगा उसके उपरांत चाईल्ड केयर सेंटर में रखा जाएगा। इनमें से हमारी पालना संस्था के बाहर ही एक नवजात को छोडा गया है। हमारा तो संदेश है फेंके नहीं हमें दें। प्रकृति प्रदत्त उपहार का सम्मान किया जाना चाहिए। एडीएम बृजेश रावत के अनुसार इस मुद्दे पर संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं चाईल्ड केयर लाईन से हमने चर्चा की है। पूरे मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। आकस्मिक रूप से बढ़े ऐसे मामले चिंतनीय हैं।

शिवपुरी में अडानी ग्रुप की डिफेंस फैक्ट्री का शिलान्यास

गोला-बारूद, हाईटेक हथियार और मिसाइलें बनेंगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शिवपुरी

एमपी के शिवपुरी जिले के लिए रविवार 5 जुलाई का दिन एक ऐतिहासिक दिन रहा। शिवपुरी के कैलारस में भव्य कार्यक्रम के दौरान केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, सीएम मोहन यादव व अडानी ग्रुप के निदेशक करण अडानी व जीत अडानी ने डिफेंस फैक्ट्री का शिलान्यास किया।

2500 करोड़ की लागत से अडानी ग्रुप ये डिफेंस फैक्ट्री लगाएगा। इस फैक्ट्री में गोला-बारूद, हाईटेक हथियार और मिशन-रेडी मिसाइलें बनेंगी। डिफेंस फैक्ट्री के शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान अडानी ग्रुप के निदेशक जीत अडानी ने कहा कि डिफेंस फैक्ट्री से 10 हजार लोगों को नौकरियां मिलेंगी।

राज्य के लिए गेमचेंजर साबित होगी डिफेंस फैक्ट्री

कोलारस के पाली गांव में नेशनल हाईवे-27 के किनारे अडानी ग्रुप 2500 करोड़ की लागत से डिफेंस फैक्ट्री लगाएगा। डिफेंस फैक्ट्री का शिलान्यास करने के बाद सीएम मोहन यादव ने अपने संबोधन में कहा- ये डिफेंस फैक्ट्री मध्यप्रदेश के लिए गेमचेंजर साबित होगी। इस डिफेंस फैक्ट्री से मध्यप्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र को तो बढ़ावा मिलेगा ही साथ ही डिफेंस क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश में अपनी बड़ी उपस्थिति दर्ज कराएगा। सीएम ने कहा कि इस डिफेंस फैक्ट्री के निर्माण से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होगा, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

सेना की ताकत बढ़ाएंगे शिवपुरी में बने हथियार- सिंधिया

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा- आज का दिन शिवपुरी के इतिहास में नई इबारत लिख रहा है। यह सिर्फ एक डिफेंस फैक्ट्री का शिलान्यास नहीं, बल्कि जिले को औद्योगिक विकास, रक्षा उत्पादन और आत्मनिर्भर भारत के विजन से जोड़ने वाला ऐतिहासिक क्षण है। सिंधिया ने आगे कहा कि जब भी देश की रक्षा के लिए युद्ध होगा, तब शिवपुरी में बने हथियार और गोला-बारूद देश की सीमाओं तक पहुंचेंगे और भारतीय सेना की ताकत बढ़ाएंगे।

2030 तक करीब 1 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा

वहीं अडानी समूह के निदेशक जीत अडानी ने कहा- इस डिफेंस फैक्ट्री के साथ ही अडानी समूह ने मध्यप्रदेश में 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये निवेश करने का ऐलान किया है। अलग-अलग क्षेत्रों में ये निवेश किया जाएगा और 2030 तक मध्यप्रदेश में अडानी समूह 1 लाख से भी ज्यादा लोगों को रोजगार देगा।

आमिर खान की गौरी से शादी हुई

मुकेश अंबानी और आशुतोष गोवारिकर पहुंचे

एजेंसी ▸▸ मुंबई

मशहूर कहावत है कि दूसरा मौका सिर्फ कहानियां देती हैं, जिंदगी नहीं, लेकिन बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने ये कहावत गलत साबित कर दी। दो नाकाम शादियों के बाद आमिर ने जिंदगी को नया मौका दिया और आज वो 61 की उम्र में गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से शादी कर चुके हैं। दोनों ने आमिर के घर में रजिस्टर्ड मैरिज की, जिसमें परिवार के लोगों के अलावा चुनिंदा करीबी दोस्त शामिल हुए। मुकेश अंबानी, आशुतोष गोवारिकर के अलावा आमिर खान के कुछ और करीबी लोग भी शादी में मौजूद रहे। आमिर महज 20 साल के थे, जब उन्हें पड़ोस में रहने वालीं रीना से प्यार हो गया था तब वो फिल्मों में भी नहीं आए थे।

देश के कई राज्यों में सक्रिय हुआ मानसून

कई प्रदेशों में भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई हिस्सों में अत्यधिक बारिश को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के तेजी से सक्रिय होने के कारण उत्तर, पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के बड़े हिस्से में व्यापक वर्षा का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 से 48 घंटों के दौरान होने वाली मूसलाधार बारिश से संवेदनशील इलाकों में जलभराव, अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड), भूस्खलन और यातायात में व्यवधान जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। आईएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और ओडिशा के कुछ अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्यों में भी भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया गया है।

राममंदिर चोरी- मोजे में नोट छिपाकर ले जाते थे आरोपी

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी मोजों और जेब में नोट छिपाकर ले जाते थे। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने एक्सपर्ट की मदद से डिलीट किए गए सीसीटीवी फुटेज रिकवर कर लिए हैं। फुटेज में कुछ लोग मोजों और जेब में नोट छिपाकर ले जाते दिख रहे हैं। हालांकि, वीडियो अभी साफ नहीं है। इसलिए उनकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस फुटेज की क्वालिटी बेहतर कराने में जुटी है।

भालू के 7 टुकड़े कर कुएं में फेंका, नाखून गायब

वन विभाग ने शुरू की जांच, शिकारियों की तलाश तेज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

बालाघाट जिले के खैरलांजी वन परिक्षेत्र में वन्यजीव क्रूरता का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक नर वयस्क भालू का शिकार कर उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर कुएं में फेंक दिया गया। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई और वन विभाग ने इसे शिकार का मामला मानते हुए जांच तेज कर दी है।

वन परिक्षेत्र खैरलांजी के भंडारबोड़ी सर्किल अंतर्गत ग्राम पिपरटोला में एक नर वयस्क भालू का क्षत-विक्षत शव कुएं से बरामद होने से हडकंप मच गया। वन विभाग ने शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम कराया और अंतिम संस्कार कर दिया है। प्रारंभिक जांच में इसे शिकार का मामला माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार किसान जियालाल धुर्वे 4 जुलाई की सुबह अपने खेत गया था। खेत में बने कुएं में उसे कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। पास जाकर देखने पर उसे किसी मृत जानवर के अवशेष नजर आए, जिसकी सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही रेंजर डीसी वासनिक मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान पुष्टि हुई कि वह एक भालू का शव है। शिकारियों ने भालू बेरहमी से मारकर उसके करीब 6 से 7 टुकड़े कर कुएं में फेंका दिया था।

4 करोड़ की सड़क का लोकार्पण 1 दिन बाद ही बारिश में बह गई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सिवनी

प्रदेश के सिवनी में करोड़ों की लागत से बनी सड़क पहली ही बारिश में ही बह गई। केवलारी विकासखंड के मोहबर्रा-सारसडोल मार्ग पर बनी पुलिया और सड़क का हिस्सा धंसने से निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। खास बात ये है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने एक जुलाई को धान महोत्सव के दौरान तीन करोड़ 93 लाख रुपये की लागत से बने इस मार्ग का लोकार्पण किया था लेकिन दो जुलाई की पहली बारिश में पुलिया और डामरीकृत सड़क का हिस्सा बह गया। इस घटना ने एक और गंभीर लापरवाही को उजागर कर दिया है। बता दें कि इस सड़क का काम पूरा नहीं हुआ है। सड़क पर तीन पुलिया का काम अधूरा पड़ा है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री मोहन यादव से इस मार्ग का उद्घाटन करा दिया गया।

पीओके में पाकिस्तानी फोर्स ने लोगों पर गोलियां चलाईं, कई घायल

एजेंसी ▸▸ जम्मू

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में रविवार को जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के शांतिपूर्ण प्रदर्शन रैली पर पाकिस्तानी फोर्स ने गोलियां चला दीं। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, जेएएसी ने दावा किया कि अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में करीब 40 हजार लोग जुटे थे। संगठन का आरोप है कि डुडियाल के एएमबी इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। हालांकि, घायलों की आधिकारिक संख्या या पाकिस्तान प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जेएएसी का कहना है कि यह प्रदर्शन इस्लामाबाद सरकार के खिलाफ है। साथ ही, यह आंदोलन जेएएसी के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी, प्रशासनिक विफलताओं और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर चल रहा है।

कटनी में दिग्विजय सिंह के बयानों पर भाजपा का पलटवार

प्रभारी मंत्री और सांसद ने आरोपों को निराधार बताया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ कटनी

कटनी दौरे पर पहुंचे प्रदेश के प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह और खजुराहो सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने शनिवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के हालिया बयानों पर पलटवार किया।

भाजपा नेताओं ने राम मंदिर, उज्जैन महाकाल मंदिर की जमीन और इंदौर के अस्पताल से जुड़े मुद्दों पर दिग्विजय सिंह द्वारा सरकार पर लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

दिग्विजय सिंह द्वारा इंदौर में छह साल पहले प्रस्तावित सरकारी अस्पताल के अब तक शुरू न होने पर उठाए गए सवाल का प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कई बार तकनीकी पेचीदगियों और कानूनी प्रक्रियाओं के कारण बड़ी सरकारी परियोजनाओं में समय लग जाता है। मंत्री ने साफ किया कि काम रुका नहीं है और राज्य सरकार जनहित की योजनाओं को जल्द पूरा करने के लिए लगातार काम कर रही है।

राम मंदिर ट्रस्ट मामले में एसआईटी कर रही जांच

सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने राम मंदिर ट्रस्ट विवाद पर दिग्विजय सिंह के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि यदि ट्रस्ट से जुड़े किसी मामले में अनियमितता की शिकायत आई है, तो उस पर स्वयं संज्ञान लिया गया है।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का शनिवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

आमजन की विकास में भूमिका

महाआयोजन के लिए तैयार किए जा रहे धर्मनगरी के विकास में आमजन की गहरी भूमिका है। इस विकास में सिर्फ निर्माण को ही नहीं देखा जाना चाहिए। शहर की स्वच्छता का बढ़ता दायरा विकास का एक अलग ही रूप है। इस भूमिका को सिर्फ शहर की संस्था और उसके अधिकारी कर्मचारी को ही नहीं निभाना है। स्वच्छता का विकास बगैर आमजन की भूमिका के अधुरा ही रहेगा। स्वच्छता का विकास जिंदगी के अगले पड़ाव तक का है और निर्माण का विकास कुछ अर्से का। निर्माण का विकास सिर्फ सहुलियतें देगा और स्वच्छता का विकास सहुलियत के साथ ही स्वास्थ्य और इसके साथ अन्यानेक लाभ देगा। शहर में स्वच्छता के विकास को लेकर नगर की संस्था के युवा प्रशासनिक अधिकारी बेहतर वातावरण बना रहे हैं। संस्था का पूरा अमला इसमें बराबर अपना योगदान दे रहा है। इसके बावजूद बार-बार यह सामने आ रहा है कि कचरे का सेग्रीगेशन करने में आमजन अपनी भूमिका का सही निर्वहन नहीं कर रहा है जिससे स्वच्छता के विकास में बडा रोडा आ रहा है। इस रोडे की वजह से कई सारे कामों को अंजाम देने में परेशानी की स्थिति बन रही है। यही नहीं स्वच्छता के विकास में कई क्षेत्रों में युवा अधिकारी असहयोग की स्थिति देख रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान पाया कि दुकानदार न तो कचरे का सेग्रीगेशन यानिकी गिला और सूखा कचरा अलग-अलग कर रहे हैं। यही नहीं दुकानदार अपना कचरा सीधे नाली में डाल रहे हैं। इससे क्षेत्र की स्वच्छता का विकास सीधे तौर पर प्रभावित हो रहा है। युवा अधिकारी ने अपने पक्ष पर कचरा पृथक्करण (सेग्रीगेशन) कार्य संतोषजनक नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। एजेंसी प्रतिनिधि पर भी जुमार्ना कार्रवाई के निर्देश दिए। भार्गव सब्जी मार्केट में निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यापारियों को सख्त हिदायत दी कि नालियों में कचरा डालने वालों के विरुद्ध जुर्माना सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निचले अमले को निर्देशित किया कि सभी दुकानों के व्यापारियों से गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में संग्रहित करने तथा समुचित कचरा प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करे ताकि कचरा संग्रहण वाहन में संग्रहण किया जाए नालियों में कचरा पाए जाने पर नालिया में जल भराव की स्थिति निर्मित नहीं होने पाए। अब आमजन को यह बताना है कि स्वच्छता के विकास में वे उनकी भूमिका को सार्थकता देने के लिए कितना आगे आए हैं। खुसूर-फुसूर है कि आमजन विकास का मायना ही विकसित नहीं कर पा रहा है। वह सिर्फ सुविधा भोगी होता जा रहा है। अपने दायित्वों एवं विकास में उसकी भूमिका के प्रति उसकी उदासीनता से बेवजह ही काफी समय नष्ट हो रहा है। इसके लिए आमजन को भी अपने आपकी मानसिकता को विकसित करना ही होगा अन्यथा विकास का मायना कुछ खास नहीं निकलेगा जैसे की किसी सड़क का चौड़ीकरण कर दिया जाए और वहां वाहनों की पार्किंग बेतरतीब हो तो उस चौड़ीकरण के मायने पर सवाल खडा हो जाता है। आमजन एक बार निर्माण के विकास के प्रति उदासीनता बरत लेगा तो फिर भी बहुत ज्यादा कुछ नहीं होगा निर्माण एजेंसी उसे पूर्ण करेगी। स्वच्छता के विकास को शहर के हर एक आमजन को पूर्ण मायना देना ही होगा तभी हम इस विकास की पूर्णता को प्राप्त कर सकेंगे।

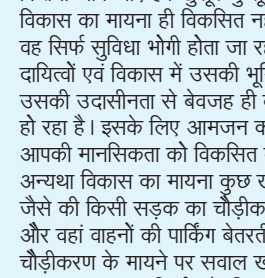

न्यूज कॉलम

आज महापौर करेंगे सेवा समिति के सदस्यों को सम्मानित

उज्जैन। आज प्रातः 11 बजे स्थान ग्रांड होटल महापौर विश्राम गृह कार्यालय पर शहर के सेवा समिति सदस्यों का महापौर मुकेश टटवाल द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। महापौर मुकेश टटवाल द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया की सेवा समिति के सदस्यों द्वारा जिस प्रकार से बाबा महाकालेश्वर की सवारी, उज्जैन शहर में होने वाले सभी धार्मिक आयोजन, पर्व स्नान, पंचकोशी यात्रा, यातायात व्यवस्था इत्यादि में जिस प्रकार से सेवा भाव से सेवा का कार्य किया जाता है इसी उपलक्ष्य में सेवा समिति के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा।

ट्रेंडिंग

संभागीय मुख्यालय के जिले में शिकायत निवारण समितियां कागजों तक सिमटी

न बस्ते के बोझ की चिंता न ही विद्यार्थियों के सुरक्षा की

शिक्षा विभाग की ओर से वर्षाकाल को देखते हुए एडवायजरी जारी करना भी उचित नहीं समझा

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

संभागीय मुख्यालय के जिले में शिक्षा विभाग की कार्य व्यवस्था अजीब दौर से गुजर रही है। नए शिक्षा सत्र की शुरूआत होने के बावजूद न तो बस्तों के बोझ की चिंता विभाग के अधिकारी ले रहे हैं और न ही विद्यार्थियों की। जिले में निजी स्कूलों को लेकर शिकायत निवारण समितियां मात्र विभागीय कागजों में समेटकर रख दी गई हैं। वर्षाकाल को देखते हुए विद्यार्थियों के लिए एडवायजरी जारी करना भी उचित नहीं समझा है।

स्कूल शिक्षा विभाग की स्कूल बैग पॉलिसी व्यवस्था केवल सरकारी आदेशों और कागजों तक सिमटकर रह गई है। किताबें भारी बस्तों का रूप लेकर नौनिहालों के कंधों पर बोझ बन गई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए वर्षों पहले स्कूल बैग पॉलिसी लागू की थी। ताकि बस्ते का वजन निर्धारित सीमा में रहे। मगर जमीनी हकीकत यह है कि यह व्यवस्था अब केवल शिक्षा विभाग के कार्यालयों में फाईलों में सिमट कर रह गई है।

संभागीय मुख्यालय के जिले में गांव के निजी स्कूल हों या फिर शहरी क्षेत्र के कक्षा पहली से बारहवीं तक के अधिकांश विद्यार्थियों के बस्ते तय मानकों से कहीं अधिक भारी हैं। कहीं पांच तो कहीं सात किलोग्राम तक का बोझ बच्चे रोजाना ढोने को मजबूर हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति नर्सरी और प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों की है, जिनके नन्हे कंधों पर भी जरूरत से ज्यादा वजन लदा हुआ है। अभिभावकों का कहना है कि कई निजी स्कूलों में निर्धारित दुकानों से ही किताबें और स्टेशनरी खरीदने का अप्रत्यक्ष दबाव बनाया जाता है। जिससे आर्थिक बोझ भी बढ़ जाता है। यदि स्कूल बैग पॉलिसी का ईमानदारी से पालन कराया जाए तो बच्चों के कंधों का वजन कम होने के साथ-साथ इस आर्थिक दबाव को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

नियमों का पालन नहीं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सिफारिशों के आधार पर स्कूल बैग के वजन के लिए स्पष्ट मानक तय किए गए हैं-

- पहली से दूसरी कक्षा तक-1.6 से 2.2 किलोग्राम
- तीसरी से पांचवीं कक्षा तक 17 से 2.5 किलोग्राम
- छठवीं से आठवीं कक्षा तक 2 से 4 किलोग्राम
- नौवों से बारहवीं कक्षा तक अधिकतम 45 किलोग्राम

ये निर्देश भी हैं पालनीय

स्कूल डायरी का वजन भी कुल वजन में शामिल किया जाए। नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के विद्यार्थियों को गृहकार्य न दिया जाए, तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों को सप्ताह में अधिकतम दो घंटे तथा नौवीं से बारहवीं तक प्रतिदिन अधिकतम दो घंटे का ही गृहकार्य दिया जाए।

आगर में समितियां, उज्जैन में जानकारी नहीं

संभाग के आगर-मालवा जिले में निजी स्कूलों की मनमानी फीस व जबरन पुस्तक-यूनिफॉर्म बिक्री पर लगाम लगाने को जिला एवं विकासखंड स्तर पर शिकायत निवारण समितियों का गठन किया गया है। इसके साथ ही इसका प्रचार-प्रसार किया गया है। जिसमें स्पष्ट किया गया है कि शैक्षणिक सत्र प्रारंभ से म.प्र. निजी विद्यालय (फीस एवं संबंधित अन्य विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 एवं नियम-2020 प्रभावशील हैं। अधिनियम की कंडिका-6 के अनुसार निजी विद्यालय प्रबंधन द्वारा छात्र/अभिभावकों को पुस्तकें, यूनिफॉर्म, जूते, कॉपी आदि केवल चयनित विक्रेताओं से खरीदने हेतु बाध्य नहीं किया जा सकेगा। अभिभावक सामग्री खुले बाजार से क्रय करने हेतु स्वतंत्र रहेंगे। इसके विपरित निजी विद्यालयों द्वारा मनमानी फीस वसूली, विशेष दुकानों से सामग्री खरीद का दबाव जैसी शिकायतें संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में गठित समिति के समक्ष दर्ज कराई जा सकती है। संभागीय मुख्यालय के जिले में इस प्रक्रिया को लेकर पूरी सुस्ती का आलम छाया हुआ है।

निगरानी पर ही सवाल

निजी और शासकीय विद्यालयों में इन नियमों के पालन की प्रभावी निगरानी नहीं हो रही है। न नियमित निरीक्षण हो रहे हैं, न बैग का वजन जांचा जा रहा है और न ही अभिभावकों को इस संबंध में जागरूक किया जा रहा है।

एडवायजरी जारी करने में भी फिसड्डी

वर्षा ऋतु में विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं। संभागीय मुख्यालय के जिले में दिशा-निर्देश जारी करने का मायना ही बदल गया है। न तो इसे लेकर समीक्षा बैठक होने की स्थिति ही स्पष्ट हो रही है और न ही संस्था प्रमुखों को विद्यालय परिसर, भवन एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा संबंधी आवश्यक व्यवस्थाएं अंजाम देने के निर्देश ही सामने आ रहे हैं। दिशा निर्देशों के तहत किसी भी स्थिति में जर्जर अथवा क्षतिग्रस्त भवनों, कमरों या बरामदों में कक्षाओं का संचालन नहीं किया जाना चाहिए। यदि किसी विद्यालय भवन की स्थिति असुरक्षित प्रतीत होती है तो संबंधित कक्षाओं को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जाए तथा इसकी सूचना तत्काल विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराई जाना चाहिए। विद्यालय परिसर में जलभराव, फिसलन, खुले विद्युत तार, टूटे हुए पेड़, दीवार या अन्य संभावित खतरों का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य किए जाना चाहिए । छतों से पानी टपकने, दीवारों में दरारें अथवा संरचनात्मक कमजोरी पाए जाने पर तत्काल सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाना चाहिए। आकाशीय बिजली की पूर्व सूचना हेतु ऊअटक्ढकऐप से नियमित जानकारी प्राप्त कर विद्यार्थियों को साझा की जाना चाहिए। विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं सुरक्षित आवागमन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। अत्यधिक वर्षा, जलभराव अथवा प्रतिकूल मौसम में स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए निर्णय लिए जाना चाहिए। विद्यालय समय में विद्यार्थियों को खुले मैदान, जलभराव वाले क्षेत्रों अथवा जोखिम वाले स्थानों पर जाने से रोका जाना चाहिए। स्कूल वाहनों में भी सुरक्षा के दृष्टिगत विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। विद्यालय भवन की विद्युत सुरक्षा हेतु सभी उपकरणों, स्विच बोर्ड एवं वायरिंग की जांच कराई जाना चाहिए। वर्षा में विद्युत दुर्घटनाओं से बचाव हेतु विशेष सतर्कता बरती जाना चाहिए। पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्थाएं सुचारु रखी जाना चाहिए।

नगर निगम आयुक्त औचक पहुंचे हाईटेक कंट्रोल रूम

साफ्टवेयर से वार्डों में तैनात दरोगाओं की लाइव लोकेशन जांची

वायरलेस सेट पर दरोगाओं सहित भवन अधिकारियों को सीधे निर्देश

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

शनिवार को नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा औचक रूप से नगर निगम के हाईटेक कंट्रोल रूम पहुंचे और व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान उन्होंने सॉफ्टवेयर के माध्यम से विभिन्न वार्डों में तैनात दरोगाओं की लाइव लोकेशन की जानकारी ली तथा उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। यही नहीं उन्होंने दरोगाओं को निर्देशित किया कि अतिवृष्टि की स्थिति में निगम का समस्त अमला अलर्ट मोड पर रहेगा।

निगम आयुक्त ने कंट्रोल रूम प्रभारी को निर्देश दिए कि शिकायत रजिस्टर की प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जाए। वार्डों में घरों में पानी भरने संबंधी शिकायतों की सूचना संबंधित जोनल अधिकारियों को तत्काल उपलब्ध कराई जाए। सभी जोनल अधिकारियों एवं उपयंत्रियों को अपने-अपने जोन में अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए गए।

- **गिराऊ भवनों की सूची तैयार करें-** निगम आयुक्त ने कंट्रोल रूम से वायरलेस सेट के माध्यम से सभी भवन अधिकारियों और भवन निरीक्षकों को निर्देशित किया कि जर्जर एवं गिराऊ भवनों की सूची तैयार कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। शहर के जलभराव संभावित क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए। जल निकासी की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए। जिन स्थानों पर नालियों एवं नालों के ऊपर अतिक्रमण के कारण पानी की निकासी बाधित हो रही है, वहां तत्काल कार्यवाही करते हुए अतिक्रमण हटा दिए जाएं।
- **समस्त अमला अलर्ट मोड पर-** निगम आयुक्त ने सभी वार्ड दरोगाओं को सेट पर निर्देशित किया कि अतिवृष्टि की स्थिति में घरों में पानी भरने अथवा वार्ड में जलभराव की सूचना प्राप्त होती है, तो नगर निगम के उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए सुरक्षा मानकों का पालन कर तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। जलभराव वाले क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाए। बारिश के दौरान उत्पन्न होने वाली आपातकालीन परिस्थितियों और नागरिक सुविधाओं एवं सुरक्षा को सुचारू बनाए रखने के लिए नगर निगम का समस्त अमला अलर्ट मोड पर रहेगा।

वाहन चालक-हेल्पर प्रत्यक्ष प्रतिनिधि

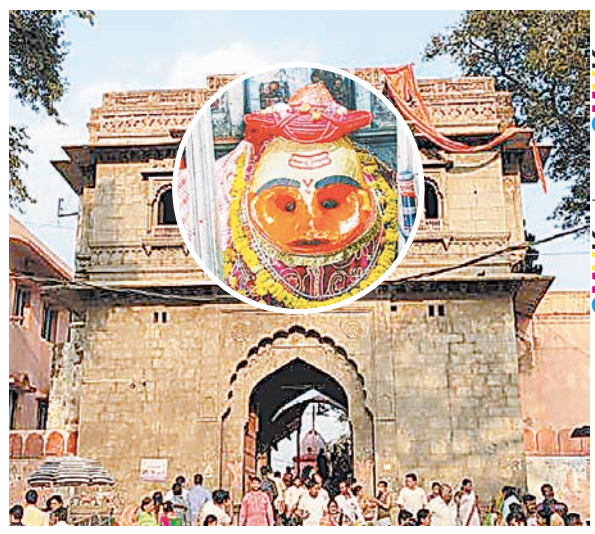

धर स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी को लेकर अपर आयुक्त संतोष टैगोर ने डोर-टू-डोर वाहनों के चालकों, हेल्परों एवं सुपरवाइजरों की समीक्षा बैठक ली गई। उन्होंने सभी चालकों/ हेल्परों को नागरिकों के प्रति विनम्र एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखने तथा निर्धारित नियमों का पालन करते हुए जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में डोर-टू-डोर वाहन चालक एवं हेल्पर को नगर निगम का प्रत्यक्ष प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि आपका व्यवहार, कार्यशैली और अनुशासन नगर निगम की छवि को दशार्ता है। सभी कर्मचारी निर्धारित ड्रेस कोड में रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा नागरिकों को गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग देने के लिए जागरूक एवं प्रेरित करें, जिससे स्वच्छता अभियान में उज्जैन की रैंकिंग और बेहतर हो सके। सभी कचरा संग्रहण वाहनों में जीपीएस सिस्टम लगा हुआ है, जिससे वाहनों की सतत मॉनिटरिंग की जाती है। इसलिए सभी वाहन निर्धारित रूट एवं समय के अनुसार संचालित किए जाएं।

शीघ्र दर्शन टिकट बिक्री के चलते

कालभैरव मंदिर में 42 दिन में तीन करोड़ से ज्यादा की आय

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

भगवान महाकाल के सेनापति कालभैरव का खजाना शीघ्र दर्शन टिकट की बिक्री से हुई आय से भर गया है। मात्र 42 दिन में मंदिर समिति को 3 करोड़ 9 लाख 42 हजार रुपये प्राप्त हुए हैं। सशुल्क दर्शन के प्रति भक्तों का रुझान देखते हुए मंदिर समिति ने इस व्यवस्था को श्रावण मास में भी यथावत रखने का निर्णय लिया है। मंदिर प्रशासन के अनुसार श्रावण मास में सामान्य,सशुल्क व प्रोटोकाल दर्शन की अलग कतार रहेगी।

मंदिर प्रशासक संध्या मार्कण्डेय ने बताया महाकाल के बाद कालभैरव मंदिर में दर्शनार्थियों की सबसे अधिक संख्या रहती है। करीब डेढ़ माह पहले मंदिर समिति ने भीड़ नियंत्रण के लिए सशुल्क दर्शन की शुरूआत की थी। इस व्यवस्था के तहत प्रति व्यक्ति 500 रुपये शुल्क में प्रोटोकाल के तहत आने वाले श्रद्धालु तथा सीमित संख्या में सामान्य दर्शनार्थियों को गर्भगृह में प्रवेश दिया जा रहा है।

माधवनगर स्टेशन क्षेत्र में कार्य में बाधक पेड़ों का ट्रांसप्लांटेशन

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

माधवनगर रेलवे स्टेशन क्षेत्र में सालों से खड़े पुराने पेड़ों को बचाने रेलवे ने ट्रांसप्लांटेशन कराने की कवायद शुरू कर दी है। यहां हो रहे निर्माण में कुछ पेड़ बाधा बन रहे थे। 30-40 साल पुराने इन पेड़ों को काटने के बजाय रेलवे प्रबंधन ने इन्हें जड़ सहित उखाड़ लिया। अब इन्हें आगर रोड स्थित रेलवे के नए ट्रेनिंग सेंटर परिसर में रौपेंगे, ताकि पुराने पेड़ बचे रहे। शुक्रवार को दो ट्रेक्टरों में 10 पेड़ों को पोकलेन की मदद से रखवाकर ट्रेनिंग सेंटर परिसर में रखवा दिया। इन पुराने पेड़ों से परिसर में जल्दी हरियाली फैल जाएगी।

मंदिर में कथित अवैध वसूली का लेकर कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

अयोध्या के राम मंदिर में 500 करोड़ रुपये की कथित चोरी और उज्जैन के महाकाल व कालभैरव मंदिर में चल रही अवैध वसूली के विरोध में जिला युवा कांग्रेस ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। उज्जैन जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए हनुमान चालीसा का पाठ किया और दोषियों पर जल्द कार्रवाई की मांग की।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि खुद को सनातन धर्म की पार्टी बताने वाली भाजपा के राज में उज्जैन से लेकर अयोध्या तक मंदिरों में भ्रष्टाचार हो रहा है। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर और कालभैरव मंदिर में दर्शनार्थियों से 250 से 500 रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। मंदिरों में इस तरह की वसूली को एक व्यापार का रूप दे दिया गया है, जिससे आम लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर में हुई चोरी के मामले में प्रधानमंत्री और अयोध्या प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी के विरोध में युवा कांग्रेस ने हनुमान चालीसा का पाठ किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उज्जैन के मुख्य मंदिरों में यह अवैध वसूली तत्काल बंद नहीं हुई और दोषियों को सजा नहीं मिली, तो इस आंदोलन को मध्य प्रदेश स्तर तक ले जाया जाएगा। आने वाले दिनों में युवा कांग्रेस द्वारा कलेक्टर कार्यालय और मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।

7 जुलाई को बुध का मिथुन राशि में गोचर, जो 22 जून तक रहेगा, कुछ जातकों को रहना होगा सावधान

जल्दबाजी करने से बचना होगा इससे आपके कुछ पुराने संबंधों में नयापन आएगा

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

ज्योतिष में बुध ग्रह को शुभ ग्रह माना जाता है। इसके अलावा बुध को सभी ग्रहों का राजकुमार, बुद्धि, शिक्षा, व्यापार और तर्क-वितर्क आदि कारक ग्रह माना जाता है। बुध चंद्रमा के बाद दूसरे ऐसे ग्रह हैं जो सबसे तेज चलते हैं और यह एक राशि में करीब 15 दिन रहते हैं फिर इसके बाद राशि परिवर्तन करते हैं। बुध के राशि परिवर्तन से सभी 1 राशियों के जातकों के ऊपर प्रभाव देखने को मिलता है। आपको बता दें कि बुध अभी चंद्रमा की राशि कर्क में गुरु बृहस्पति के साथ मौजूद हैं, जो 7 जुलाई को बुध वक्री रहते हुए राशि परिवर्तन करते हुए मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे जो 22 जून तक इसी राशि में रहेगा। पंचांग गणना के अनुसार, बुध 7 जुलाई 2026,

मंगलवार को सुबह 10 बजकर 32 मिनट पर फिर से मिथुन राशि मे गोचर होंगे जो इस राशि में 5 अगस्त तक इसी राशि में रहेंगे, फिर दोबारा से कर्क राशि में प्रवेश कर जाएंगे। आइए जानते हैं बुध के गोचर से किन राशियों को सबसे ज्यादा लाभ होता हुआ मिलेगा।

- **मेष राशि-** मेष राशि वालों के लिए बुध आपकी कुंडली के तीसरे और छठे भाव के स्वामी होते हैं। 7 जुलाई को बुध मिथुन राशि में गोचर करने से यह आपके तीसरे यानी पराक्रम भाव में गोचर करेंगे। ऐसे में आपको किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय को लेने में जल्दबाजी करने से बचना होगा। इससे आपके कुछ पुराने संबंधों में नयापन आएगा। आर्थिक लाभ की अच्छी स्थिति होगी जिससे आपके बैंक बैलेंस में इजाफा देखने को मिलेगा।
- **मिथुन राशि-** मिथुन राशि के जातकों के लिए बुध आपके पहले और चौथे भाव के स्वामी होते हैं और मिथुन राशि में गोचर आपके पहले भाव में होगा जिससे आने वाले समय में आपको अच्छा लाभ और शुभ सूचना सूनने को मिल सकता है। बुध के गोचर करने से नौकरीपेशा जातकों को अच्छा लाभ और मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। इस दौरान आपको आर्थिक मामलों में सोच-समझकर आगे बढ़ना होगा।
- **कन्या राशि-** कन्या राशि वालों के लिए बुध आपकी कुंडली के लग्न और कर्म भाव के स्वामी हैं, 7 जुलाई को बुध के गोचर करने से यहा आपके दशम भाव में रहेंगे जिससे आपको करियर-कारोबार में कुछ नया करने और पाने का अवसर मिलेगा। जो लोग किसी तरह के व्यापार आदि से जुड़े हुए हैं उनको कोई बड़ा बिजनेस में डील मिल सकती है। बुध का यह गोचर आपके कार्यों में सफलता दिलाएगा साथ ही साथ व्यापार में कई तरह के मौके भी मिलेंगे।
- **धनु राशि-** धनु राशि वालों के लिए बुध आपकी कुंडली के सातवें और दशम भाव के स्वामी हैं। बुध के गोचर करने से आपको कुछ अच्छे परिणामों की प्राप्ति हो सकती है। इस दौरान आपको अतिरिक्त आय के भरपूर मौके मिल सकते हैं। जो लोग बेरोजगार हैं उनको नई नौकरी के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। इस दौरान दांपत्य जीवन में बेहतर सुधार आएगा और लाभ के कुछ अच्छे और बेहतर मौके मिलेंगे।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | सोमवार 06 जुलाई, 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसा: परिवार मिलेगा को 1.41 करोड़ रुपये मुआवजा

उज्जैन। करीब तीन साल पहले चामुंडा माता चौराहे पर हुए सड़क हादसे में जान गंवाने वाली बीएसएनएल की अकाउंट ऑफिसर शालिनी शर्मा के परिवार को मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने 1 करोड़ 41 लाख 66 हजार 376 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। इस राशि पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी मिलेगा। ब्याज जोड़ने पर कुल भुगतान लगभग 1.71 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। यह हादसा 18 अगस्त 2023 को हुआ था। बीएसएनएल उज्जैन में अकाउंट ऑफिसर के पद पर पदस्थ शालिनी शर्मा ड्यूटी समाप्त कर अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान चामुंडा माता चौराहे पर यादव ट्रेवल्स की बस (MP 13 P 5887) ने उनकी दोपहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

जागरूकता की नई पहल, युवाओं ने लिया समाज बदलने का संकल्प

उज्जैन। शहर के बेगमबाग इलाके में नशे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पयाम-ए-इंसानियत फोरम और बेगमबाग नौजवान कमेटी के 35 से 40 युवा हर शुक्रवार और रविवार को सड़कों पर उतरकर लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। नुक्कड़ सभाओं, काउंसलिंग, निःशुल्क दवाइयों और जरूरतमंद परिवारों की आर्थिक सहायता के माध्यम से संस्था का लक्ष्य उज्जैन को नशामुक्त बनाना है। बेगमबाग की गलियों में इन दिनों ‘नशा छोड़ो, जिंदगी जोड़ो’ का संदेश गूंज रहा है। संस्था को मोबाइल के माध्यम से नशा करने वाले लोगों की सूचना मिलती है, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंचकर उनकी काउंसलिंग करती है। नुक्कड़ सभाओं में युवाओं को शराब, गुटखा, तंबाकू और सिगरेट जैसी लत के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। साथ ही मेडिकल जांच और निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। जो लोग नशा छोड़ने का संकल्प लेते हैं, उनके परिवारों को संस्था की ओर से आर्थिक सहयोग भी दिया जाता है।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का सफल आयोजन

इंदौर। प्रदेश में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का सफल संचालन 28 से 30 जून तक किया गया। अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 1 करोड़ 6 लाख 51 हजार 737 बच्चों को पोलियो वैक्सीन की खुराक पिलाई गई। अभियान के सफल संचालन में प्रदेश के समस्त जिलों द्वारा उत्कृष्ट समन्वय, प्रभावी सूक्ष्म योजना, सुदृढ़ मॉनिटरिंग एवं व्यापक जनजागरूकता गतिविधियों के माध्यम से उल्लेखनीय योगदान दिया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर से लेकर घर-घर भ्रमण तक व्यापक व्यवस्थाएं की गईं।

मेट्रो में नहीं होगी घुटन, हाईटेक सिस्टम देगा हवा

इंदौर। इंदौर में मेट्रो के भूमिगत हिस्से में यात्रियों की सुरक्षा और आराम को ध्यान में रखते हुए अत्याधुनिक वेंटिलेशन सिस्टम लगाया जाएगा। यह सिस्टम स्टेशन और सुरंगों में लगातार ताजी हवा पहुंचाने, तापमान व आर्द्रता को नियंत्रित रखने के साथसाथ आग जैसी आपात स्थिति में जहरीले धुएं को तेजी से बाहर निकालने का काम करेगा। मेट्रो के भूमिगत स्टेशनों पर पर्यावरण नियंत्रण प्रणाली (ईसीएस) लगाई जाएगी, जो प्लेटफॉर्म, कॉन्कोर्स और अन्य क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता बनाए रखेगी। वहीं सुरंगों में टनल वेंटिलेशन सिस्टम (टीवीएस) स्थापित होगा, जो सामान्य संचालन के दौरान हवा के प्रवाह को संतुलित रखेगा और जरूरत पड़ने पर धुएं को सुरक्षित दिशा में बाहर निकालेगा। मेट्रो ट्रेन के सुरंग से गुजरने पर वह पिस्टन की तरह काम करेगी। इससे आगे की हवा आगे बढ़ेगी और पीछे से ताजी हवा का प्रवाह होगा। इस प्राकृतिक प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए बड़े जेट और एक्सियल फैन लगाए जाएंगे जो हवा के दबाव और प्रवाह को नियंत्रित करेंगे।

50 हजार लोगों को मिलेगी स्वास्थ्य एवं उच्च शिक्षा की बेहतर सुविधा

इंदौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने शनिवार को सांवेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत कम्पेल-पिपडाय में लगभग 27 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं शासकीय कम्पेल कॉलेज भवन के प्रस्तावित निर्माण स्थल का अवलोकन किया। उन्होंने दोनों परियोजनाओं के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क तथा किसानों के हित से जुड़े विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है।

06 जुलाई को इंदौर में लगेगा एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेला

इंदौर। युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार, इनोवेशन एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय इंदौर द्वारा 6 जुलाई 2026 (सोमवार) को एक दिवसीय युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय (जिला उद्योग केन्द्र परिसर), पोलोग्राउंड इंदौर में प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। मेले में युवाओं को रोजगार के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु ऋण प्रक्रिया एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। उप संचालक रोजगार श्री पी. एस. मंडलोई ने बताया कि मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियाँ भाग लेंगी, जिनमें जे.जे. इंडस्ट्रीज, उत्कर्ष स्माल फाइनेस बैंक, आईटीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, कटारिया ग्रुप सहित अन्य संस्थान शामिल रहेंगे।

इंदौर में कागजों पर चल रहा 100 बिस्तरों का अस्पताल

87 पदों पर कर्मचारी, ट्रांसफर भी हो रहे लेकिन मरीज एक भी भर्ती नहीं

सबसे नया पोस्टिंग ऑर्डर 15 जून, 2026 को जारी किया गया था, एक लैब टेक्नीशियन को ऑफिशियली हॉस्पिटल में ट्रांसफर किया।

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मध्य प्रदेश का इंदौर शहर आए दिन चचाओं में रहता है। ताजा मामला ऐसे ही गड़गड़झाले का है। असल में यहां एक ऐसा अस्पताल चल रहा है जिसका कोई वजूद ही नहीं है। केवल कागजों पर चल रहे इस अस्पताल में बकायदा डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्नीशियन और फार्मासिस्ट काम करते हैं। यहां तबादले भी होते हैं, बस दिखाई देते तो मरीज और अस्पताल का भवन।

इंदौर में यह गड़बड़ी खजराना सिविल अस्पताल के नाम पर हो रही है, जिसे 6 साल पहले स्वीकृति मिली थी। यहां भवन ना होने के बावजूद 87 सरकारी पद स्वीकृत हुए, नियुक्तियां हुईं और अब उनके नाम पर तबादले भी होते रहते हैं। सबसे नया पोस्टिंग ऑर्डर 15 जून, 2026 को जारी किया गया था। एक लैब टेक्नीशियन को ऑफिशियली उस हॉस्पिटल में ट्रांसफर कर दिया गया, जिसने कभी एक भी मरीज को भर्ती नहीं किया।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2020 में जब मध्य प्रदेश सरकार ने खजराना के लिए 100 बेड का सिविल हॉस्पिटल मंजूर किया तो खजराना, मूसाखेड़ी, तेजाजी नगर, बिचौली हप्सी और आस-पास के इलाकों में तीन लाख से ज्यादा लोगों को सेवा मिलने की उम्मीद थी। सरकार ने स्पेशलिस्ट डॉक्टर, मेडिकल ऑफिसर, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन और सपोर्ट स्टाफ समेत 87 पोस्ट मंजूर कीं। लेकिन छह साल बाद भी निर्माण शुरू नहीं हुआ है क्योंकि जमीन अलॉट नहीं हुई है हॉस्पिटल की बिल्डिंग पूरी तरह न होने के बावजूद मंजूर की गई जगह सरकारी पोर्टल पर मौजूद है।

इधर, कांग्रेस का कहना है यह घोटाला है

कांग्रेस ने इसे प्रशासनिक नाकामी का मामला बताया है। कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने हाई-लेवल जांच की मांग की। आरोप लगाया कि यह एक बड़ा घोटाला है। उन्होंने कहा, रजहां हॉस्पिटल जमीन पर है ही नहीं, फिर भी स्टाफ को वहां पोस्ट किया जा रहा है। विधानसभा में कांग्रेस इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाएगी।

कर्मचारियों को इंदौर में दूसरी खाली पोस्ट पर एडजस्ट कर दिया गया

शुक्ला ने कहा, मंजूर पोस्ट डिपार्टमेंट के पोर्टल पर दिख रही हैं। सीएमएचओ पैरामेडिकल स्टाफ को पास के संजीवनी क्लीनिक से अटैच कर सकते हैं। हम 50-बेड वाले हॉस्पिटल के लिए जमीन की तलाश में लगे हुए हैं, और बताया कि कर्मचारियों को इंदौर में दूसरी खाली पोस्ट पर एडजस्ट कर दिया गया है।

कैट के चीफ मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर डॉ. माधव हसानी ने भी कन्फर्म किया कि हॉस्पिटल के साथ पोस्ट भी मंजूर की गई थीं। उन्होंने कहा कि डिपार्टमेंट समय पर सही सरकारी जमीन पर कब्जा नहीं कर सका, और शहरी इलाकों में जमीन का अधिग्रहण मुश्किल और समय लेने वाला काम है।

अधिकारी कहते हैं स्टाफ को अटैच किया गया

अधिकारियों का कहना है कि मंजूर किए गए स्टाफ को पीएस सेठी हॉस्पिटल, हुकुमचंद हॉस्पिटल, संजीवनी क्लीनिक और इंदौर की दूसरी सरकारी हेल्थ सुविधाओं से अटैच कर दिया गया है। कागजों पर, उनमें से कई खजराना सिविल हॉस्पिटल से जुड़े हुए हैं। असल में, हॉस्पिटल का कोई पता नहीं है, कोई वार्ड नहीं है, कोई बेड नहीं है और कोई मरीज नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताई वजह

उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा कि ओरिजिनल प्रपोजल समय के साथ बदल गया था। उनके मुताबिक, जो पहले एक अर्बन प्राइमरी हेल्थ सेंटर था, उसे बाद में 50-बेड वाले सिविल हॉस्पिटल में अपग्रेड किया गया था, लेकिन सही जमीन न मिलने की वजह से कंस्ट्रक्शन शुरू नहीं हो सका।

इंदौर भाजयुमो की कुर्सी पर सियासी संग्राम!

किसके सिर सजेगा जेन-जी का ताज? सोशल मीडिया और संगठन, दोनों की होगी परीक्षा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भारतीय जनता युवा मोर्चा इंदौर के नए नगर अध्यक्ष की नियुक्ति अब केवल एक संगठनात्मक फैसला नहीं रह गई है, बल्कि इसे भाजपा की आगामी राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। पार्टी के भीतर इस पद को लेकर लगातार बैठकों और चचाओं का दौर जारी है। राजनीतिक गलियारों में कई युवा चेहरों के नाम चर्चा में हैं, लेकिन अंतिम फैसला अभी प्रदेश नेतृत्व के पाले में है।

संगठन से जुड़े सूत्रों के अनुसार अक्षांशु तिवारी, मयूरेश पिंगले, धीरज ठाकुर, अमित पालीवाल और अक्षत चौधरी के नाम प्रमुख रूप से चर्चा में हैं। वहीं राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि भाजपा अपनी परंपरा के अनुरूप अंतिम समय में किसी नए या अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरे पर भी दांव लगा सकती है।

वरिष्ठ नेताओं की प्रतिष्ठा भी दांव पर?

भाजपा के अंदरूनी राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी है कि अलग-अलग वरिष्ठ नेताओं की पसंद अलग-अलग बताई जा रही है। हालांकि पार्टी की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन राजनीतिक हलकों में यह नियुक्ति वरिष्ठ नेताओं के प्रभाव और संगठनात्मक संतुलन की कसौटी के रूप में भी देखी जा रही है। इसलिए इस फैसले पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

जेन-जी पर भाजपा की नजर

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है की 2028 के विधानसभा चुनाव और उससे पहले होने वाले नगरीय निकाय चुनावों को देखते हुए भाजपा युवाओं के बीच अपनी पकड़ और मजबूत करना चाहती है। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं और सोशल मीडिया पर सक्रिय जेन-जी अब चुनावी राजनीति का बड़ा वर्ग बन चुके हैं। ऐसे में युवा मोर्चा का नगर अध्यक्ष पार्टी के लिए सिर्फ संगठन का पदाधिकारी नहीं, बल्कि युवाओं का चेहरा भी होगा।

क्या होगा बड़ा सरप्राइज?

भाजपा अपने संगठनात्मक फैसलों में कई बार अंतिम समय में चौंकाने वाले निर्णय ले चुकी है। यही कारण है कि चर्चित नामों के बावजूद कार्यकताओं के बीच यह सवाल लगातार गूंज रहा है कि क्या अध्यक्ष की जिम्मेदारी अक्षांशु तिवारी, मयूरेश पिंगले, धीरज ठाकुर, अमित पालीवाल या अक्षत चौधरी में से किसी एक को मिलेगी, या फिर प्रदेश नेतृत्व किसी नए चेहरे पर भरोसा जताकर सबको चौंका देगा? फिलहाल पूरे इंदौर भाजपा संगठन की निगाहें प्रदेश नेतृत्व के अंतिम फैसले पर टिकी हैं। यह नियुक्ति केवल युवा मोर्चा का नया अध्यक्ष तय नहीं करेगी, बल्कि आने वाले वर्षों में भाजपा के युवा नेतृत्व की दिशा और चुनावी रणनीति का संकेत भी मानी जाएगी। आज की राजनीति केवल धरातल तक सीमित नहीं है। सोशल मीडिया, डिजिटल कैंपेन, कॉलेज कैंपस, युवा सम्मेलन और बूथ स्तर तक कार्यकताओं को सक्रिय रखना युवा मोर्चा की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन चुकी है। ऐसे में भाजपा ऐसे चेहरे की तलाश में होगी जो संगठन और डिजिटल दोनों मोर्चों पर प्रभावी नेतृत्व दे सके।

राजीव गांधी नगर की बदहाल सड़कें बनीं हादसों की वजह

गहरे गड्ढों से रोज जान जोखिम में

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

भंवरकुआं थाना क्षेत्र के राजीव गांधी नगर चौराहे के आसपास सड़क की बदहाल स्थिति लोगों के लिए लगातार मुसीबत बनती जा रही है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों और उखड़ी हुई डामर की परत के कारण वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को हर दिन जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में इन गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे दोपहिया वाहन चालक अचानक संतुलन खोकर गिर रहे हैं और कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं।

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई बार नगर निगम के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को शिकायतें की गईं, लेकिन अब तक सड़क की मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों का आरोप है कि निगम की लापरवाही के कारण क्षेत्र में दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। आसपास कॉलोनियां, दुकानें और अन्य संस्थान होने के कारण दिनभर वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में सड़क की जर्जर हालत कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि बरसात के दौरान केवल अस्थायी पैचवर्क करने के बजाय सड़क का स्थायी और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

इंदौर में अगामी सप्ताह में झमाझम वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना जताई

महज चार दिन में जुलाई माह का 60 फीसदी बरसा पानी

अगले सप्ताह में इंदौर में जुलाई की औसत वर्षा का कोटा भी पूरा होने की संभावना है

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर शहर पिछले चार दिनों से वर्षा से तरबतर हुआ है। पिछले चार दिनों में शहर में जुलाई माह की औसत वर्षा की 60 फीसद पानी बरस चुका है। इंदौर में अगामी सप्ताह में झमाझम वर्षा का दौर जारी रहने की संभावना जताई गई है। ऐसे में अगले सप्ताह में इंदौर में जुलाई की औसत वर्षा का कोटा भी पूरा होने की संभावना है।

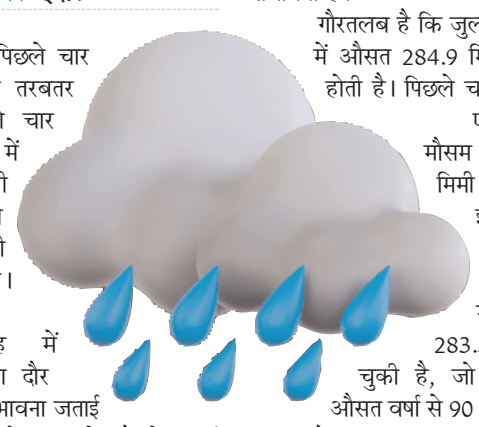

गौरतलब है कि जुलाई में इंदौर शहर में औसत 284.9 मिमी औसत वर्षा होती है। पिछले चार दिनों में इंदौर एयरपोर्ट स्थित मौसम केंद्र पर 171.3 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। इस मानसून सीजन में जून व जुलाई माह में अब तक 283.5 मिमी वर्षा हो चुकी है, जो अब तक की औसत वर्षा से 90 फीसद ज्यादा है। मौसम विभाग द्वारा रविवार को इंदौर में भारी वर्षा की संभावना जताई गई है।

दोपहर तक हुई वर्षा, उमस ने किया परेशान

शनिवार को एयरपोर्ट के मुकाबले रीगल क्षेत्र में ज्यादा वर्षा हुई। सुबह 7 बजे से शहर में रिमझिम व तेज वर्षा का दौर जारी रहा। दोपहर 1 बजे वर्षा का दौर थमा और बादल छाए रहे। एयरपोर्ट स्थित वेदर स्टेशन शनिवार शाम 5.30 बजे तक 9.6 मिमी वर्षा दर्ज हुई।

वहीं रीगल क्षेत्र में 19.25 मिमी वर्षा दर्ज हुई। दोपहर बाद उमस ने शहरवासियों को परेशान किया। शनिवार को दिन भर बादलों की ओट में सूरज छिपा रहा। इस वजह से दिन के तापमान में गिरावट देखने को मिली। अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस कम रहा है। वही न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम रहा।

पिछले चार दिनों से शहर में हो रही वर्षा से तालाबों का जल स्तर बढ़ा है। वही जिस इलाकों में पक्की सड़क नहीं है। वहां के रहवासी कीचड़ में चलने पर मजबूर है। चंदन नगर थाने से स्कीम नंबर 71 जाने वाले रास्ते पर कीचड़ और जल जमाव के कारण रहवासी परेशान हो रहे है। देवास नाका औद्योगिक क्षेत्र में पक्की सड़के न होने के कारण यहां जल जमाव के कारण कीचड़ में ट्रक व लोडिंग वाहन फंस रहे है। दवा बाजार से छावनी जाने वाली रोड पर अभी सड़क निर्माण कार्य जारी है। वर्षा के दौरान यहां पर जल जमाव की स्थितियां दिख रही है।

सड़क पर लेटे कुत्ते के ऊपर से गुजरी निगम की गाड़ी?

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर से एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिसने लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

मामला वार्ड-72 के पार्श्वनाथ-अलंकार पैलेस रोड का बताया जा रहा है, जहां उळळश फुटेज में एक नगर निगम की गाड़ी सड़क पर लेटे एक कुत्ते के ऊपर से गुजरती हुई दिखाई दे रही है। वीडियो में दावा किया जा रहा है कि गाड़ी गुजरने के बाद कुत्ता गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और वाहन की ओर दौड़ते हुए दिखाई दिए।

इस वीडियो के वायरल होने के बाद लोगों में भारी आक्रोश है। सोशल मीडिया पर जिम्मेदार चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है और इसे बेजुबान जानवरों के प्रति क्रूरता बताया जा रहा है। हालांकि, इस घटना की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है और नगर निगम की ओर से भी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अब बड़ा सवाल यही है अगर जांच में यह लापरवाही साबित होती है, तो क्या जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होगी?

हाईटेक इलेक्ट्रिक बसों का ट्रायल शुरू, पूरी तरह कैशलेस होगी यात्रा

इंदौर में आई-14 रूट पर दौड़ीं हाईटेक एसी इलेक्ट्रिक बस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शहर में सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में शनिवार से बड़ा कदम उठाया गया। केंद्र सरकार की पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत इंदौर में आई-14 रूट पर 10 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसों का तकनीकी एवं व्यावसायिक ट्रायल शुरू कर दिया गया। यह रूट राऊ रंगवासा से रणजीत हनुमान, राजवाड़ा, बंगाली स्क्वायर होते हुए कनाड़िया बायपास तक संचालित होगा। ट्रायल सफल होने के बाद चरणबद्ध तरीके से शहर में कुल 150 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा।

योजना के तहत इंदौर को 9 मीटर लंबाई वाली 150 पूर्णतः वातानुकूलित हाईटेक इलेक्ट्रिक बसें मिली हैं। इनका उद्देश्य प्रदूषण कम करना, ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देना और यात्रियों को सुरक्षित व सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराना है। फिलहाल 10 बसों से शुरूआत की गई है, जिन्हें बाद में पूरे शहर और प्रमुख मार्गों पर बढ़ाया जाएगा। यात्रियों को कैशलेस और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के लिए बसों में डिजिटल किराया संग्रहण प्रणाली लागू की गई है। वहीं पारंपरिक ड्राइवर और कंडक्टर की जगह विशेष प्रशिक्षण प्राप्त वर्दीधारी कोच कैप्टन और डिजिटल असिस्टेंट तैनात किए जाएंगे।

तकनीकी रूप से होगी सुरक्षा की निगरानी

नई ई-बसों में यात्रियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन लगाए गए हैं। बसों से मिलने वाला लाइव वीडियो फीड सीधे सेंट्रल कंट्रोल रूम में देखा जा सकेगा, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। बसों के संचालन, ट्रैकिंग और समयबद्ध शेड्यूलिंग के लिए इंटेलिजेंट ट्रांजिट मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) का उपयोग किया जाएगा। इसकी मॉनिटरिंग एआईसीटीएसएल कार्यालय और नायता मुंडला डिपो स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से होगी। दिव्यांग यात्रियों की सुविधा के लिए बसों में व्हीलचेयर असिस्टेंस सिस्टम भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे उन्हें चढ़ने और उतरने में आसानी होगी। भविष्य में इन ई-बसों का संचालन केवल शहर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आसपास के कस्बों, गांवों और पेरी-अर्बन क्षेत्रों तक भी किया जाएगा।

---

70 हजार टीचर्स को टीईटी से बचाने की कोशिश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

एमपी के करीब 70 हजार टीचरों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से राहत दिलाने स्कूल शिक्षा विभाग सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाएगा। विभाग का तर्क है कि साल 2005 से 2009 के बीच भर्ती हुए शिक्षकों ने पहले ही सरकारी चयन परीक्षा पास कर नौकरी हासिल की थी, इसलिए उन्हें दोबारा पात्रता परीक्षा देने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। यदि सुप्रीम कोर्ट यह दलील स्वीकार करता है, तो हजारों शिक्षकों को राहत मिल सकती है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के सितंबर 2025 के आदेश के बाद लोक शिक्षण संचालनालय ने अप्रैल में निर्देश जारी कर प्रदेश के स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के उन सभी शिक्षकों के लिए जुलाई-अगस्त में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) आयोजित कराने को कहा है, जिनकी नियुक्ति साल 1998 से 2009 के बीच, यानी शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून लागू होने से पहले हुई थी। इस आदेश से प्रदेश के करीब डेढ़ लाख शिक्षक प्रभावित होंगे।

नींद क्यों नहीं आती

जितनी सभ्यता विकसित होती गई, उतनी आदमी की नींद कम होती गई, क्योंकि मन दिन भर इतना उलझा हुआ रहता है। उसे विश्राम ही नहीं मिलता। हमारा शरीर तो बिस्तर पर सोया होता है, लेकिन मन अभी भी बाजार में भटकता रहता है। जिंदगी में जो भी महत्वपूर्ण है, वह छोड़ने की कला से मिलता है। नींद आने का एक ही सूत्र है कि आप कुछ मत करें। आप चुपचाप बस पड़ जाएं, ताकि नींद आ सके। नींद तब उतरती है आपके ऊपर, जब आप कुछ भी नहीं करते। अगर आपको नींद नहीं आती हो, तो मजे से बिस्तर पर पड़े रहें और नींद न आने का मजा लेते रहें। आप नींद के लिए सीधा कुछ मत करें। कोई भी सीधी चेष्टा बाधा है। फ्रांस के एक बहुत बड़े विचारक कुए ने एक सूत्र विकसित किया है। वह सूत्र है, लॉ ऑफ रिवर्स इफेक्ट विपरीत परिणाम का नियम। कुछ चीजें हैं, जिनमें आप अगर प्रयास करें, तो उल्टा परिणाम हाथ आता है। नींद वैसी ही चीज है, आपको उलटा परिणाम हाथ आएगा। नींद के लिए समर्पण बहुत जरूरी है। बिल्कुल छोड़ दें अपने आपको, जैसे फिसल गए हों। आज की जिंदगी बहुत ज्यादा भाग-दौड़, सक्रियता से भरी है। वही सक्रियता नींद में भी प्रवेश करती है।

नींद के लिए सोने से पहले एक छोटा-सा ओशो का बताया हुआ नुस्खा प्रयोग कर सकते हैं। दरअसल, हमारे मस्तिष्क के दो हिस्से हैं- दायां और बायां। बायां हिस्सा तर्क और विचार से जुड़ा है, तो दायां भाग भाव और शांति से जुड़ा होता है। आपका दाहिना हाथ आपके बाएं मस्तिष्क से जुड़ा हुआ है और आपका बायां हाथ मस्तिष्क के दाहिने भाग से जुड़ा हुआ है। तो जब भी आपको लगे कि बहुत ज्यादा सोच-विचार चल रहा है और आप इसे रोक नहीं सकते, तो अपने दोनों हाथों को तेजी से रगड़ें। तब तक रगड़ते रहें, जब तक कि वे गर्म नहीं हो जाते। अपनी आंखें बंद करें और महसूस करें कि वे गर्म और गर्म हो रहे हैं। अपनी कल्पना को सहारा दें और हाथ वास्तव में गर्म हो जाते हैं। जब हाथ गर्म होते हैं, तो सिर ठंडा हो जाता है। ये दो ध्रुव हैं। एक बिंदु पर अचानक आपको महसूस होगा कि विचार रुक गए हैं और दिमाग की ऊर्जा हाथों में घूम रही है। अब आप धीरे से नींद की आगोश में उतर सकते हैं। जिन लोगों को नींद नहीं आती, उनके लिए यह सबसे अच्छी दवा है, किसी भी ट्रैंक्विलाइजर से बेहतर। ओशो कहते हैं, हमने इस बात पर ध्यान ही नहीं दिया कि मनुष्य के जीवन में आने वाली सभी बीमारियों और विकारों का मूल कारण नींद की कमी है। जो व्यक्ति ठीक से सो नहीं पाता, वह ठीक से जी भी नहीं पाता। नींद को मनुष्य के जीवन में वापस लाना आवश्यक है। मानसिक स्वास्थ्य के लिए इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है।

सम्पादकीय

ई-रिक्शा पर साइबर अटैक

विज्ञान अपने आप में खतरनाक नहीं यह दुनिया के बारे में विश्वसनीय ज्ञान उत्पन्न करने की एक व्यवस्थित विधि है। खतरा इस बात से उत्पन्न होता है कि आप के द्वारा ज्ञान उपकरण और प्रौद्योगिकियों को सामाजिक और आर्थिक प्रणालियों में कैसे लागू किया जाता है। आज के दौर में तकनीक का दुरुपयोग हो रहा है। ऐसे मामलों में नई प्रौद्योगिकी अत्यंत खतरनाक हो चुकी है। यह सच है कि विज्ञान ने आधुनिक अविष्कारों की मदद से दुनिया के स्वरूप को बदल कर रख दिया है। विज्ञान ने युद्धों का तरीका बदल कर रख दिया। कुछ दिन पहले तक शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक मोबाइल एप चलते-चलते ई-रिक्शा को रोक देगा। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में ई-रिक्शा चालकों ने अपनी परेशानी बताई कि उनका रिक्शा चलते-चलते बंद हो जाता है। पहले तो लोगों ने ऐसे वीडियोज को मजाक समझा लेकिन जब ई-रिक्शा चालकों में कोहराम मच गया तो अंततः केन्द्र सरकार को इस मामले पर कार्रवाई करनी पड़ी। सरकार ने चीनी एप बैट, बी एम एस,लॉसिजी और स्पॉक आई आयन समेत कुछ एप्स पर तुरंत प्रतिबंध लगा दिया। समूचे घटनाक्रम से एक नई बहस छिड़ चुकी है। मामला किसी एक एप का नहीं। असली सवाल यह है कि जिस रफ्तार से इलैक्ट्रिक वाहन (ईवी) अपनाये जा रहे हैं क्या उतनी मजबूत उनकी डिजिटल सुरक्षा है या नहीं। गर्मागर्म बहस के बीच लोग सितम्बर 2024 में लेबनान में हुए मेजर धमाकों की भी चर्चा कर रहे हैं।

इजराइली एजेंसी मोसाद ने ताइवान में बने हजारों पेजर में साजिश के तहत तीन ग्राम विस्फोटक रखा था। मोसाद ने डिवाइस के अंदर एक बोर्ड लगाया जिसमें विस्फोटक सामग्री थी जो एक कोड प्राप्त करता था। यही पेजर लेबनान में हिज्बुल्लाह को सप्लाई किए गए। जब वहां देशभर में पेजर पहुंचे तो इनमें विस्फोट कर दिया। अगर पेजर में विस्फोट हो सकते हैं तो फिर एक एप से ई-रिक्शा क्यों नहीं बंद हो सकते। चीनी एप तो पहले से ही बहुत खतरनाक करार दिए जा चुके हैं। केन्द्र सरकार समय पर चीनी एप्स पर प्रतिबंध लगाती रही है। यह एप्प भारतीयों के संवेदनशील डाटा को विदेशों में ट्रांसफर कर रहा था। चीनी एप्स पर जासूसी के आरोप भी लगते रहे हैं। चीनी एप के खिलाफ लगातार की जा रही कार्रवाई भारत की संप्रभुता, अखंडता, रक्षा, सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरनाक गतिविधियों में संलग्न रहने के कारण की गई।

डिजिटल प्राइवेसी की नई परत, लेकिन भीतर छिपे बड़े खतरे

मेटा का जाल, सरकार का शिकंजा यूजरनेम की आग में जल रहा भरोसा

मोबाइल नंबर अब तक डिजिटल पहचान का सबसे भरोसेमंद आधार रहा है, लेकिन अब उसकी जगह यूजरनेम लेने की तैयारी है। बदलाव जितना आधुनिक दिखता है, जोखिम भी उतने ही बड़े हैं।

प्रो. आर.के. जैन
(दैनिक अवन्तिका)

व्हाट्सएप यूजरनेम सुविधा ला रहा है, जिससे उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर छिपाकर यूजरनेम के माध्यम से नए संपर्कों से बातचीत कर सकेंगे। दावा है कि इससे निजता मजबूत होगी, लेकिन भारत सरकार ने इसके संभावित खतरों को समय रहते भांप लिया। मेटा को नोटिस भेजकर इस फीचर के भारत में रोलआउट पर अस्थायी रोक लगाना महज तकनीकी कदम नहीं, बल्कि भारत के 50 करोड़ से अधिक व्हाट्सएप यूजर्स की डिजिटल सुरक्षा का सवाल है। जिस देश में रोज हजारों साइबर ठगी होती हों, वहां पहचान को नंबर से हटाकर केवल यूजरनेम के भरोसे छोड़ना क्या अपराधियों को नया हथियार नहीं देगा? आखिर डिजिटल दुनिया में प्राथमिकता सुविधा को मिले या सुरक्षा को?

पहली नजर में मेटा का यह प्रस्ताव बेहद आकर्षक लगता है। इसके तहत हर उपयोगकर्ता 3 से 35 कैरेक्टर्स (अक्षर, संख्या, पीरियड और अंडरस्कोर) वाला यूनिक यूजरनेम चुन सकेगा। इसके बाद बातचीत के लिए मोबाइल नंबर साझा करने की जरूरत नहीं होगी। नंबर केवल अकाउंट वेरिफिकेशन तक सीमित रहेगा, जबकि चैट में उसकी जगह यूजरनेम दिखाई देगा। कंपनी का दावा है कि ₹यूजरनेम की₹ जैसी अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था अनचाहे संदेशों और संदिग्ध संपर्कों पर प्रभावी नियंत्रण रखेगी। कागज पर यह व्यवस्था निजता को मजबूत करती दिखाई देती है, लेकिन तकनीक का इतिहास बताता है कि हर नई सुविधा अपने साथ नए जोखिम भी लाती है। इसलिए असली सवाल यह नहीं कि यह फीचर कितना आकर्षक है, बल्कि यह है कि इसकी सुरक्षा कितनी अभेद्य और भरोसेमंद है।

भारत की चिंता वाजिब है। यहां साइबर अपराध पहले ही महामारी बन चुके हैं। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी बैंक अलर्ट, निवेश घोटाले, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया इमपर्सनेशन और भावनात्मक ठगी लाखों लोगों को शिकार बना चुके हैं। ऐसे में यदि कोई ठग किसी अधिकारी, पत्रकार, उद्योगपति, लोकप्रिय हस्ती या आम नागरिक के नाम जैसा यूजरनेम पहले ही ले ले (यूजरनेम स्क्वाटिंग), तो छद्मवेश (इमपर्सनेशन) और पहचान की चोरी आसान हो जाएगी। इसके जरिए फर्जी प्रोफाइल बनाकर पैसे ऐंठना, संवेदनशील जानकारी हासिल करना, अफवाह फैलाना और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना आसान होगा। तब यह केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि जनविश्वास, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा का संकट बन जाएगा। इसलिए सरकार की आशंका कल्पना नहीं, डिजिटल हकीकत है।

इन्हीं आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने मेटा से तीन दिनों में विस्तृत जवाब मांगा है। कंपनी को फीचर का डिजाइन, प्राइवेसी प्रोटोकॉल, सुरक्षा तंत्र, पहचान सत्यापन और दुरुपयोग रोकने के उपाय स्पष्ट करने होंगे। साथ ही समीक्षा पूरी होने तक भारत में इसका रोलआउट रोकने को कहा गया है। यह फैसला तकनीकी प्रगति का विरोध नहीं, बल्कि जिम्मेदार डिजिटल शासन का संकेत है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, साइबर सुरक्षा नीतियों और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून के तहत विदेशी डिजिटल प्लेटफॉर्मों का भारतीय कानूनों और सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। डिजिटल भारत में किसी वैश्विक कंपनी की सुविधा से अधिक महत्वपूर्ण नागरिकों की सुरक्षा है।

फिर भी इस प्रस्ताव के सकारात्मक पक्षों को नकारा नहीं जा सकता। आज सेवाओं, व्यापार, फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन शिक्षा, कंटेंट क्रिएशन और व्यावसायिक संपर्क के लिए मोबाइल नंबर साझा करना लगभग अनिवार्य हो गया है। इसका नतीजा अनचाहे कॉल, स्पैम संदेश, डेटा लीक और निजी जानकारी के दुरुपयोग के रूप में सामने आता है। यदि नए संपर्कों से केवल यूजरनेम से संवाद हो, तो मोबाइल नंबर काफी हद तक छिपा रह सकता है। इसलिए अनेक उपयोगकर्ता इस सुविधा का स्वागत कर रहे हैं, क्योंकि इससे गोपनीयता मजबूत होगी और डिजिटल ट्रैकिंग घटेगी। लेकिन अच्छी मंशा सुरक्षा की गारंटी नहीं होती; मजबूत सुरक्षा के बिना सबसे उपयोगी तकनीक भी सबसे खतरनाक दरवाजा बन सकती है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की सबसे बड़ी चिंता यही है। उनके अनुसार यह फीचर यूजरनेम स्क्वाटिंग, फर्जी खातों और सोशल इंजीनियरिंग हमलों को बढ़ावा दे सकता है। भारत जैसे देश में, जहां भाषाई विविधता, अलग-अलग लिपियां, समान नामों की भरमार और ग्रामीण-शहरी डिजिटल अंतर है, वहां पहचान का सत्यापन अधिक जटिल है। यदि मेटा ने भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप पर्याप्त स्थानीय परीक्षण नहीं किए, तो जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं। केवल एल्गोरिद्म पर्याप्त नहीं; स्थानीय भाषाओं की समझ, प्रभावी शिकायत निवारण, त्वरित सत्यापन और संदिग्ध खातों पर फौरन कार्रवाई भी अनिवार्य होगी।

दरअसल, यह विवाद केवल व्हाट्सएप के एक फीचर का नहीं, बल्कि वैश्विक टेक कंपनियों और राष्ट्र-राज्यों के बीच बढ़ते उस संघर्ष का है, जिसमें सवाल है कि डिजिटल दुनिया के नियम कौन तय करेगा। मेटा जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म हर देश की सामाजिक, कानूनी और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। भारत पहले ही डेटा लोकलाइजेशन, इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल डेटा संरक्षण जैसे मुद्दों पर स्पष्ट कर चुका है कि विदेशी कंपनियों को यहां केवल कारोबार नहीं, बल्कि भारतीय कानूनों और राष्ट्रीय हितों का भी सम्मान करना होगा। व्हाट्सएप का यह मामला उसी सोच की अगली कड़ी है, जहां डिजिटल संप्रभुता नारा नहीं, राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है।

असल चुनौती यूजरनेम नहीं, उस पर कायम होने वाला विश्वास है। जिस डिजिटल पहचान की विश्वसनीयता संदिग्ध हो, उसकी प्राइवेसी भी अर्थहीन हो जाती है। मेटा को अपने सुरक्षा मानकों, पहचान सत्यापन प्रणाली और दुरुपयोग रोकने की रणनीति पूरी पारदर्शिता से सार्वजनिक करनी चाहिए। वहीं, उपयोगकताओं को भी ऐसे यूजरनेम चुनने से बचना होगा जो आसानी से अनुमानित हों या अन्य प्लेटफॉर्मों पर पहले से इस्तेमाल हो रहे हों, और किसी भी संदिग्ध प्रोफाइल या संदेश पर बिना पुष्टि भरोसा नहीं करना चाहिए। सरकार का यह समयोचित हस्तक्षेप स्पष्ट करता है कि डिजिटल भारत में नवाचार का स्वागत होगा, लेकिन नागरिकों की सुरक्षा की कीमत पर नहीं। क्योंकि यदि पहचान की सुरक्षा कमजोर पड़ी, तो आने वाले समय में मोबाइल नंबर नहीं, नाम ही सबसे बड़ी चोरी बन जाएगा।

किरायेदार

शहर के सबसे पुराने मुहल्ले में एक मकान था जिसकी दीवारें इतनी बूढ़ी हो चुकी थीं कि हर बारिश के बाद वे अपने भीतर का नमक बाहर निकालकर रोती थीं। लोग उसे भूतों का घर कहते थे, लेकिन वहाँ रहने वाला बूढ़ा आदमी हँसकर कहता, भूत तो उन घरों में रहते हैं जहाँ इंसान होना मर जाता है। उसका नाम कोई नहीं जानता था। बच्चे उसे बाबा कहते थे, दूधवाला उसे उधार कहता था, बिजली वाला उसे बकायेदार और नगर निगम वाला उसे अतिक्रमण। उसका अपना नाम जैसे सरकारी फाइलों के किसी पीले पन्ने में दम तोड़ चुका था। हर सुबह वह टूटी कुर्सी बाहर निकालकर बैठ जाता और राह चलते लोगों से पूछता, बेटा, आज इंसानियत किस गली से गुजरी थी, कहीं दिखी क्या? लोग मुस्कराकर आगे बढ़ जाते। एक दिन एक लड़का रुक गया। उसने पूछा, बाबा, आप रोज यही सवाल क्यों पूछते हैं? बाबा ने अपनी धुँधली आँखों में उतरती शाम को समेटते हुए कहा, क्योंकि कल तक जो मेरे पड़ोसी थे, आज वे मेरे मोबाइल नंबर तक से अनजान हो गए हैं। रिश्ते अब घंटियों की तरह हैं, बजते तभी हैं जब किसी को अपना काम हो। लड़का चुप हो गया। हवा ने सूखे नीम से कुछ पत्ते गिराए। बाबा उन्हें उठाकर हथेली पर रखने लगा जैसे किसी बूढ़ी माँ के झड़ते बाल समेट रहा हो। उसने धीमे से कहा, पेड़ कम से कम गिरकर भी धरती का हाथ नहीं छोड़ते, इंसान तो खड़े खड़े भी साथ छोड़ देता है। सामने से गुजरते नेता का काफिला धूल उड़ाता निकल गया। बाबा मुस्कराया, देखो बेटा, धूल भी अब गाड़ियों के साथ चलती है, पैरों के साथ नहीं।

अगले दिन मोहल्ले में खबर फैली कि सरकार ने उस इलाके के विकास का नक्शा बना लिया है। लोग खुश थे। किसी को चौड़ी सड़क चाहिए थी, किसी को पार्क, किसी को शॉपिंग कॉम्प्लेक्स। बाबा चुपचाप अपनी दीवार सहला रहा था।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 06 जुलाई 2026 सोमवार
सूर्योदय - 05:41 सूर्यास्त 19:13
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 07:30 से 09:00 तक
तिथि - षष्ठी 13:47 उपरांत सप्तमी
नक्षत्र - पूर्वाभाद्रपद 16:08 उपरांत उत्तराभाद्रपदा
योग - सौभाग्य 15:51 शोभन
करण - वणिज
चन्द्रमा - कुंभ में है। 09:57 पर मीन में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास - मोहर्रम मास 20 तारिख

मेष- आज कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृषभ- व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे।

मिथुन- नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। रुके धन की प्राप्ति में अड़चनें आएंगी।

कर्क- चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह- फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें।

कन्या- दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी।

तुला- भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। आर्थिक मनोबल बढ़ेगा।

वृश्चिक- चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु- धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी। खर्चों में कमी करें।

मकर- पारिवारिक सुख, संतोष बढ़ेगा। उपहार मिलने के योग हैं। अधिक व्यय न करें।

कुंभ- शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

मीन- धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं।

(व्यंग-बाण)

कुँवारेपन का सर्टिफिकेट

आज का युवा जैसे ही शिक्षा के उस पड़ाव पर पहुँचता है, जहाँ उसे लगता है कि अब दुनिया उसकी जेब में आने ही वाली है, उसे गर्व महसूस कराते हुए बैचलर डिग्री थमा दी जाती है। यह डिग्री कम और मानो सरकारी मुहर लगा हुआ कुँवारेपन का सर्टिफिकेट ज्यादा प्रतीत होती है` डिग्री मिलते ही आत्मविश्वास ऐसे फूटता है जैसे बिना पानी के ही फव्वारा चल पड़ा हो–बस फर्क इतना कि यह फव्वारा कुछ ही दिनों में सूख जाता है। बेचारा युवा सोचता है कि अब कंपनियाँ उसे रेड कार्पेट बिछाकर बुलाएँगी, लाखों के पैकेज उसकी राह देख रहे होंगे` लेकिन हकीकत यह है कि वह रोजगार के बाजार में ऐसे भटकता है जैसे समुद्र में सुई ढूँढने निकला हो, न नौकरी मिलती है, न शादी होती है; और इस प्रकार उसकी बैचलर डिग्री पूरी ईमानदारी से अपना असली काम निभाती है– बेचलर माने कुँवारा, और यही कुँवारेपन का प्रमाण-पत्र साबित होती हैं।

युवा की महत्वाकांक्षा भी कम दिलचस्प नहीं है डिग्री मिलते ही उसे छोटे कामों से एलर्जी हो जाती है छोटे काम को करने से, उसे अपना ग्रेजुएट स्टेटस बीच में आकर रोक देता है–जैसे कह रहा हो, ‍इतनी पढ़ाई किसलिए की थी? और उधर नौकरी देने वाली कंपनी कहती हैं–इतनी पढ़ाई की है, तो काम क्या आता है? तुम्हारे पास अनुभव क्या हैं ? काश! स्कूल-कॉलेज में अनुभव का विषय अतिरिक्त होता तो कितना अच्छा रहता या गर्भ में ही सब कुछ सीखकर आ जाते तो कितना अच्छा होता।

आज की शिक्षा पर न तो सरकार को विश्वास हैं, और ना ही कार्पोरेट जगत को, तभी तो नौकरी पर रखने से पहले, प्रत्येक की परीक्षा ली जाती हैं` यदि व्यक्ति परीक्षा में चयनित हो भी गया, तो भी ज्यादा खुश होने की जरूरत नहीं हैं, यह खुशी उसके लिए पल भर की हैं` आगे के चरण में आप बच नहीं पायेंगे, आपके लिए वहाँ बैठे हैं, साक्षात भगवान, जो आपके भाग्य का फैसला करेंगे। यह चरण हैं साक्षात्कार, जिससे हर किसी को गुजरना पड़ता हैं` साक्षात्कार पेनल में बैठे लोग, अपने समस्त ज्ञान का बघार लगाते हुए, अटपटे प्रश्नों की गोलीबारी करते हैं` उस समय ऐसा लगता हैं, जैसे आपके ऊपर कोई एक के बाद एक मिसाईल दाग रहा हो, और आप धराशायी हो जाओगे। पेनल में बैठे लोगों के पास चयन करने का कोई भी निश्चित पैमाना नहीं हैं, यदि हैं भी तो, वे जिस पैमाने से चयन कर रहे हैं , मेरी नजर में ये केवल और केवल, उनकी आत्मसंतुष्टि मात्र हैं कि- उन्होंने उत्तम उम्मीदवार का चयन किया हैं` या फिर कभी-कभी साक्षात्कार से सेटिंग का अंदेशा होने लगता हैं` साक्षात्कार जैसी प्रक्रिया में सेटिंग की गुंजाइश हैं, इस संदेह को नकारा नहीं जा सकता है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि इंटरव्यू नहीं, बल्कि सेटिंग टेस्ट चल रहा है–जिसमें मेरिट से ज्यादा कनेक्शन के अंक जुड़ते हैं` आपके कनेक्शन जीतने स्ट्रांग, उतने ही अंक भी स्ट्रांग होंगे पारदर्शिता इतनी है कि काँच भी शर्मा जाऐ और अंत में चयनित वही होता है, जिसे पहले से पता होता है।

यदि बेरोजगारों को हम काम करने का अवसर प्रदान नहीं करेंगे, तो उसकी काबिलियत कैसे पता लगेगी ? हवा में बाते करने के प्रक्रम रचने से कुछ साबित नहीं होगा` साक्षात्कार एक ऐसा ही प्रक्रम हैं, जो हवा-हवाई बात करने वाले अधिकारियों के दिमाग की उपज हैं` उन्है व्यवहारिक रूप से कार्य करने वाला कर्मचारी नहीं चाहिए , उन्है केवल रट्टू तोता चाहिए। अब बात करते हैं, आधुनिक युग के सबसे लोकप्रिय छलावे की–इंटर्नशिप यह ऐसा खेल है जिसमें कंपनियाँ अनुभव देती हैं और युवा अपना पैसा` सरकार ने इस खेल को मानो आधिकारिक मान्यता दे रखी है` युवाओं को इस खेल का सहारा लेकर खूब छला जा रहा हैं` युवा अपने बेरोजगार रूपी कुँवारेपन को मिटाने के लिए, अपनी जेब का रूपया लगाकर इंटर्नशिप का जूँआ खूब खेल रहे हैं।

– नीतिश नागर

बारिश के मौसम में इन ड्रिंक्स का करें सेवन, सेहत के साथ स्किन में आएगा निखार

बरसात के मौसम में स्वास्थ्य के अलावा, स्किन और बाल भी प्रभावित होते हैं। इस मौसम में बाल झड़ने की समस्या बढ़ जाती है। उसके अलावा, स्किन से जुड़ी समस्याएं भी शुरू होने लगती हैं। समस्याओं की रोकथाम के लिए लोग कई उपाय अपनाते हैं। लेकिन, डिटॉक्स ड्रिंक्स की मदद से मॉनसून में आप स्किन और बाल को स्वस्थ रख सकते हैं। ये देसी डिटॉक्स ड्रिंक्स शरीर के मेटाबोलिज्म को बढ़ाने में मदद करते हैं।

उसके अलावा, ये घरेलू ड्रिंक्स शरीर को जहरीले पदार्थों से मुक्त करते हैं। उसे पीकर आप दिन भर ऊर्जावान और ताजा महसूस कर सकते हैं। डिटॉक्स पानी फलों और सब्जियों को मिलाकर बनाया जाता है। ये शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करते हैं। उनके पीने से शरीर के जहरीले अंश साफ होते हैं और स्किन मजबूत होती है। विटामिन्स और उसमें मौजूद पोषक तत्व बाल को भी स्वस्थ रखते हैं। जानिए क्या हैं स्वस्थ ड्रिंक्स और घर पर उसको कैसे बनाया जा सकता है।

सेब और दालचीनी का ड्रिंक-

इस डिटॉक्स ड्रिंक को बनाने के लिए 2-3 इंच दालचीनी और थोड़ा अजवाइन लें। पानी के बोतल में इन दोनों सामग्रियों को मिलाएं, सेब को गोल पतले टुकड़ों में काटें और पानी के बोतल में रखें और एक घंटे के लिए या रात भर फ्रिज में छोड़ दें। हर सुबह इस ड्रिंक को पीने से स्किन स्वस्थ रहती है।

पुदीना और हरे सेब का ड्रिंक-

हरे सेब के टुकड़े को पानी से भरे जार में डालें। उसके अलावा, जार में पुदीने की कुछ पत्तियों को रखें, जो पानी के स्वाद को बढ़ाने का काम करेगा। इस मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं और एक घंटे के लिए छोड़ दें। इस ड्रिंक का इस्तेमाल दिन में दो बार किया जा सकता है। ये आपकी स्किन और बाल दोनों को स्वस्थ रखेगा।

काला अंगूर और नींबू का ड्रिंक-

आप नींबू पानी के फायदों को जरूर जानते होंगे। उसमें काले अंगूर को शामिल करने से उसका फायदा और ज्यादा बढ़ जाता है। नींबू विटामिन सी का बड़ा स्त्रोत है। ये डिटॉक्स ड्रिंक बाल गिरने को रोकता है और चेहरे को चमकदार बनाता है। उसे बनाने के लिए एक लीटर पानी में 10-15 अंगूर और एक नींबू के जूस को मिलाएं और 20 मिनट के लिए उसे छोड़ दें। फिर उसके बाद आप इस ड्रिंक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

धर्म-आस्था

भागदौड़ भरी जीवन यात्रा में यह विचार भी जरूरी

राजेंद्र बज
(दैनिक अवन्तिका)

कभी-कभी मन में विचार आता है कि जीवन के अंतिम सत्य से जब हमारा सामना होगा, क्या हम मनोवांछित तरीके से जी लिए - या उसके अनुरूप जीना शेष था ? क्या यह सवाल भी मन का मन में ही रह जाएगा ? बस, दरअसल मानव जीवन की यही विडंबना है कि कोई भी शख्सियत अपने जीवन काल में ' भरपूर जीवन जी लिए ' ऐसा दावा नहीं कर सकती। हमारी हर एक आती-जाती सांस इस धरा पर हमारे अस्तित्व का ह्रास करती चली जाती है... और हम वर्ष-दर-वर्ष अपने जन्मदिन की खुशियां मनाते रह जाते हैं। इस तथाकथित मायावी दुनिया में मायाचार का बोलबाला है। ऐसे में जो प्राप्त है वह पर्याप्त है , ऐसी सोच ही हमें तमाम आकुल व्याकुल परिस्थितियों से निजात दिला सकती है। अन्यथा जिजीविषा और मृगतृष्णा का तो कोई ओर छोर ही नहीं दिखाई देता।

हमारे चेतन या अवचेतन मन में यह विचार भी नहीं आता कि पल-प्रतिपल हमारा जीवनकाल समाप्ति की ओर अग्रसर हो रहा है। वैसे देखा जाए तो इसकी बड़ी वजह यह है कि हर कोई ' जीते-जीते जिया ही चला जाएगा ', कुछ इसी प्रकार की भ्रमित अवस्था में रहा करता है। वैसे जीवन के अंतिम सत्य को सब जानते हैं और पहचानते हैं। लेकिन रहती सांस तक जीने की तमन्ना मन मयूर में हिलोरे लिया करती है। बस ऐसे ही दौर में देखते ही देखते सांसे जवाब दे जाती है और हम पंचतत्व में विलीन हो जाया करते हैं। परिजन भी समय के साथ-साथ शोक की बेला से उबर जाया करते हैं। दरअसल यही संसार की रीत है कि ' जाते के साथ कोई नहीं जाता ', महज कुछ दिनों का शोक और फिर देखते ही देखते सब कुछ वैसा का वैसा -जैसा कि कभी था।

ऐसी स्थिति में यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि हम अपने जीवन मूल्य को समझें और वही करें जो सच्चे अर्थों में हमारे अंतर्मन में सुकून का कारण बना करता है। वास्तव में हम जानते हैं कि हमें एक न एक दिन इस असार संसार से जाना ही है। आती-जाती सांसे चाहे जीवन के पल छीन रही हो, किंतु हम इस तथ्य को लेकर गंभीर नहीं होते। यह मानव मात्र की दुर्बलता है कि उसके अंतरंग में जिजीविषा के भाव निरंतर बने रहा करते हैं। वैसे एक प्रकार से यह जीवटता की निशानी है। इसके बावजूद कहीं न कहीं, किसी न किसी प्रकार मन की अतृप्त प्यास मन की मन में ही रह जाया करती है। ऐसे में बेहतर हो यदि हम अपने जीवन काल में ही अपनी प्राथमिकताओं को वरीयता देकर जो कुछ जहां अधुरा है- उसे पूर्ण करने का प्रयास करें।

इन्हीं संदर्भों में हमें जीवन के नैतिक मूल्यों के साथ ' जीवन मूल्य ' भी निर्धारित कर लेना चाहिए। इस संसार में हर कोई कहीं न कहीं किसी न किसी पर आश्रित है। यानी कि हर कोई किसी अन्य पर किसी न किसी रूप में निर्भर करता है। एक-दूसरे के जीवन मूल्य परस्पर आपस में गूंथें रहा करते हैं। यही एक-दूसरे पर निर्भरता की स्थिति परिवार और समाज की रचना में सहायक होती है। इसका वृहद स्वरूप सकल राष्ट्र की भौगोलिक स्थिति में परिलक्षित होता है। इसी आधार पर व्यक्ति में राष्ट्रीयता के भाव भी जागृत होते हैं। और आगे जाएं तो विश्व बंधुत्व की भावना भी इन्हीं अवधारणाओं से उपजी हुई मानी जा सकती है। हम अपनी धारणाओं और भावनाओं के माध्यम से अपने जीवन में अपना कार्यक्षेत्र सुनिश्चित करते हुए घर परिवार के अतिरिक्त समाज व राष्ट्र के लिए भी अपना जीवन सार्थक सिद्ध कर सकते हैं।

जहां तक व्यक्तिविशेष के व्यक्तिगत जीवन का प्रश्न है, तो किसी भी व्यक्ति का जीवन मात्र उसके लिए ही महत्वपूर्ण नहीं होता। अपितु अन्य के लिए भी महत्व का हुआ करता है। इसी आधार पर मानवीयता के गुणों का समावेश भी व्यक्ति विशेष में होता आया है। हर एक व्यक्ति के सामाजिक सरोकार भी होते हैं, इन सरोकारों से जुड़कर ही हम परस्पर सौहार्दतापूर्वक संबंधों को विकसित करते हुए अपने अस्तित्व की सार्थकता सिद्ध कर सकते हैं। हमें अपने लिए ही नहीं जीना चाहिए अपितु दूसरों के लिए भी अपने जीवन का कुछ अंश न्योछावर करते रहना चाहिए। चाहे इस अंश में समय हो या धन, लेकिन समर्पण की भावना के साथ यदि हम किसी के हित में कुछ करते हैं, तो हम निमित्त बन जाते हैं। ऐसे निमित बनने पर अंतर्मन में असीम आनंद की दिव्य अनुभूति से दो-चार हो सकते हैं।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6000 से 6050 विशाल, 5950 से 6000 मसूर 6000,महाराष्ट्र सफेद 7400 से 7500, महाराष्ट्र लाल 7700 से 7900, कर्नाटक 8100 से 8300 निमाड़ी, डेट तुअर 6500 से 7500 मूंग बेस्ट गर्मी, 7100 से 7300 मूंग बेस्ट बोल्ड, 7500 से 7700 मीडियम बोल्ड, 7200 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 8700 से 9000, उड़द गर्मी 8000 से 8400 ग्रेविटी, क्लीन 8600 से 8900 हल्का उड़द, 4000 से 6000 काबुली डॉलर, 7000 से 8400 काबुली रशियन, 5800 बिटकी 5200 से 5300, सरसों निमाड़ी 8000 से 8200, रायडा 6800 से 7000 करंज 5000, से 5200 सोयाबीन 6800 अलसी, 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से, 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800, पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज, 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7450 से 7550, मीडियम 7650 से 7750 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1950-2925, धनिया- 10300-12762, चना देशी- 5541-6301, डालर चना- 3850-7310, मटर- 2622-3430, मक्सा- 2415, मूंग- 6810, सोयाबीन- 2200-8000, तिल्ली- 10491-11001, सरसो- 6886, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,43,350 रवा- 1,43,300 चांदी- टंच- 2,30,000 पाट- 2,29,000।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130, तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

विश्वकर्मा मंदिर व टीन शेड निर्माण का भूमिपूजन, मंत्री ने की 10 लाख की घोषणा

शुजालपुर। विश्वकर्मा मेवाड़ा सुतार समाज महासभा न्यास मालवांचल शुजालपुर के तत्वावधान में मांगलिक भवन परिसर में भगवान विश्वकर्मा मंदिर एवं टीन शेड निर्माण के लिए भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के उच्च शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदरसिंह परमार ने विधिवत पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया तथा मंदिर एवं टीन शेड निर्माण के लिए 10 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम में महासभा के अध्यक्ष श्याम विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष प्रेम नारायण विश्वकर्मा, सचिव शिवनारायण विश्वकर्मा, सहसचिव हरिओम छालवंत, उपाध्यक्ष कैलाश नारायण विश्वकर्मा, संगठन मंत्री एवं मीडिया प्रभारी बद्री प्रसाद विश्वकर्मा सहित समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में भंवरलाल परमार, नगर मंडल अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, कैलाश सोनी, सरपंच सतीश, मोहनलाल विश्वकर्मा, मनोहर विश्वकर्मा तथा उज्जैन विश्वकर्मा मंदिर के अध्यक्ष संतोष शर्मा भी मौजूद रहे। मंत्री परमार ने अपने संबोधन में कहा कि समाज की एकजुटता और जनसहभागिता से धार्मिक एवं सामाजिक विकास के कार्यों को गति मिलती है। उन्होंने संगठित समाज को संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का आधार बताते हुए सामाजिक सहभागिता पर जोर दिया।

कांग्रेस ने लिए सोशल मीडिया वारियर्स के इंटरव्यू वार्ड अध्यक्षों के नाम अनुमोदन को भेजे

शुजालपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत शनिवार को कालापीपल एवं शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के सोशल मीडिया वारियर्स के इंटरव्यू सिकरवार ट्रैक्टर शोरूम पर आयोजित किए गए। ऑनलाइन आवेदन करने वाले कार्यकर्ताओं का साक्षात्कार लेकर उनकी क्षमता के आधार पर ग्रेडिंग की गई। तैयार रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को भेजी जाएगी। इस दौरान प्रदेश महामंत्री रामवीर सिंह सिकरवार, कार्यकारी जिला अध्यक्ष अशोक परमार, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष जयंत सिकरवार, सोशल मीडिया प्रदेश महासचिव विष्णु शर्मा, हसन रजा कुरैशी, मंगल सिंह राठौड़, भूपेंद्र सोनी, रईस पठान सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत शुजालपुर सिटी एवं मंडी मंडलम के वार्ड 1 से 25 तक की समितियों के गठन के लिए दो दिन चली बैठकों का शनिवार को समापन हुआ। विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से वार्ड अध्यक्षों के नाम तय कर अनुमोदन के लिए प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व को भेज दिए गए। अनुमोदन के बाद सूची जारी की जाएगी। बैठक में प्रदेश एवं जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बांसला में जैविक कीटनाशक निर्माण का दिया प्रशिक्षण

शुजालपुर। ग्राम बांसला में कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी उज्जैन की उदय परियोजना के तहत किसानों को जैविक कीटनाशक एवं जैविक टॉनिक तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में चिप कोऑर्डिनेटर संतोष मनोरिया एवं कम्युनिटी एजुकेटर अमरसिंह राजपूत ने जीवामृत एवं प्राकृतिक कीटनाशक बनाने की विधि का प्रदर्शन करते हुए रासायनिक खेती की लागत कम करने और जैविक खेती अपनाने के लाभ बताए। प्रशिक्षण में किसानों को देशी गाय के गोबर, गोमूत्र, गुड़, बेसन व अन्य प्राकृतिक सामग्री से जीवामृत तथा लहसुन, हरी मिर्च, तंबाकू और गोमूत्र से जैविक कीटनाशक बनाने की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने किसानों से छोटे स्तर पर जैविक खेती शुरू करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में 25 किसानों ने भाग लिया।

डॉक्टरों की मुस्तैदी और परिजनों की तत्परता से बची 3 वर्षीय मासूम की जान

सर्पदंश के बाद लाया गया था अस्पताल

शाजापुर। बारिश के मौसम में सर्पदंश की घटनाएं अक्सर जानलेवा साबित होती हैं, लेकिन यदि समय रहते सही चिकित्सा मिल जाए, तो मौत के मुंह से भी इंसान को बाहर निकाला जा सकता है। ऐसा ही एक सुखद मामला शाजापुर जिला अस्पताल में सामने आया है, जहां सारंगपुर क्षेत्र के एक तीन वर्षीय मासूम को सांप के डसने के बाद परिजनों की तत्परता और डॉक्टरों के त्वरित इलाज ने नई जिंदगी दी है। जानकारी के अनुसार, सारंगपुर क्षेत्र के ग्राम उस्मखेड़ी में खेल रहे एक तीन वर्षीय बच्चे को अचानक सांप ने डस लिया। घटना का पता चलते ही परिजन घबरा गए, लेकिन उन्होंने झाड़-फूंक या घरेलू नुस्खों में समय बर्बाद करने के बजाय समझदारी दिखाई और बच्चे को तुरंत शाजापुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों की टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बिना कोई समय गंवाए बच्चे का उपचार शुरू कर दिया। अस्पताल के चार डॉक्टरों की टीम ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला और मासूम का सघन इलाज किया। दवाओं के सटीक असर और डॉक्टरों की निगरानी के चलते बच्चे की हालत में तेजी से सुधार होने लगा। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल मासूम की हालत पूरी तरह से खतरे से बाहर है, हालांकि एहतियात के तौर पर उसे अभी भी सघन चिकित्सकीय निगरानी (ऑब्जर्वेशन) में रखा गया है। समय पर अस्पताल पहुंचने से बच्चे की जान बच गई, जिससे परिजनों ने राहत की सांस ली और अस्पताल स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा समारोह आयोजित

शासकीय सेवा में कर्मचारी हितों को सर्वोपरि रखने वाले हमेशा याद किए जाते हैं-विधायक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शासकीय सेवा के दौरान जो अधिकारी कर्मचारियों की समस्याओं को समझकर उनके हित में काम करते हैं, वे अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं। संयुक्त संचालक वित्त जी.एल. गुवाटिया ने भी शाजापुर जिले में अपनी इसी कार्यप्रणाली से कर्मचारियों के बीच एक गहरी छाप छोड़ी है। यही कारण है कि तकनीकी शिक्षा विभाग भोपाल के पद पर उनका प्रमोशन और स्थानांतरण होने पर प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा उनके सम्मान में शनिवार को एक समारोह आयोजित किया गया, जहां उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक अरुण भीमावद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री व जिलाध्यक्ष रघुवीर सिंह पंवार ने की। इस मौके पर विधायक भीमावद ने गुवाटिया के कार्यकाल की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिलाध्यक्ष डॉ. पांडे ने उन्हें नई जगह पर भी प्रधानमंत्री के मिशन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं, रघुवीर सिंह पंवार ने गुवाटिया के साथ अपने 35 वर्षों के पुराने संबंधों को मंच से साझा किया। उन्होंने जिला कोषालय व पेंशन अधिकारी के रूप में गुवाटिया द्वारा किए गए कर्मचारी हितैषी कार्यों और सहयोग के लिए विशेष रूप से आभार जताया।

अन्य संगठनों के पदाधिकारियों ने ली सदस्यता

समारोह के दौरान पेंशनर्स की एकजुटता भी देखने को मिली। शुजालपुर और मो. बड़ोदिया से गंगाधर वर्मा के नेतृत्व में आए दूसरे संगठनों के कई पदाधिकारियों ने प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण की। अतिथियों ने सभी नए सदस्यों का पुष्पहार से स्वागत कर सम्मान किया। इसके अलावा महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष मधुकांता दवे के नेतृत्व में नवनियुक्त महिला पदाधिकारियों को अतिथियों के हाथों नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ लालशंकर मेहता के मार्गदर्शन में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व पूजन के साथ हुआ। जिलाध्यक्ष पंवार ने स्वागत भाषण दिया तथा बी.एल. मेहता ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पेंशनर्स मौजूद रहे।

आगर मालवा में सर्व हिंदू समाज का प्रदर्शन

गोचर भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग पर सड़क जाम, ज्ञापन सौंपा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

आगर मालवा शहर में शनिवार दोपहर को सर्व हिंदू समाज ने शासकीय गोचर एवं चारागाह भूमि पर कथित अतिक्रमण के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी बसस्टैंड चौराहे पर जमा हुए।

उन्होंने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और कुछ समय के लिए सड़क पर बैठकर यातायात बाधित किया। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस बल मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर स्थिति को शांत कराया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका।

प्रदर्शन के दौरान तहसीलदार विजय सेनानी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन प्राप्त किया। इस ज्ञापन में बस स्टैंड के पास उज्जैन हाईवे से सटी शासकीय गोचर एवं चारागाह भूमि से कथित अवैध अतिक्रमण हटाने की मांग की गई है।

ज्ञापन में बताया गया है कि सर्वे क्रमांक 1641/1 (3.0310 हेक्टेयर), 1649/2 (0.2090 हेक्टेयर) और 1649/3 (1.7990 हेक्टेयर) की कुल लगभग 5.039 हेक्टेयर (करीब 25 बीघा) शासकीय भूमि पर वर्तमान में साप्ताहिक पशु हाट-बाजार लगता है। संगठन का आरोप है कि इस भूमि पर लंबे समय से अवैध निर्माण कर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।

भूमि का अनुमानित मूल्य लगभग 25 करोड़

ज्ञापन में इस भूमि का अनुमानित मूल्य लगभग 25 करोड़ रुपये बताते हुए तत्काल अतिक्रमण हटाने की मांग की गई है। सर्व हिंदू समाज ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो गोचर भूमि को मुक्त कराने के लिए चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। पुलिस और प्रशासनिक अमला प्रदर्शन के दौरान मौके पर मौजूद रहा और अधिकारियों की समझाइश के बाद प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गया।

हज यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू, 20 जुलाई तक भरे जा सकेंगे फॉर्म

शाजापुर। भारत सरकार की केंद्रीय हज कमेटी के तत्वावधान में अगले वर्ष हज यात्रा पर जाने वाले अकीदतमंदों के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिले के जो भी इच्छुक नागरिक हज पर जाने की तैयारी कर रहे हैं, वे अपना फॉर्म ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई निर्धारित की गई है। जिला हज कमेटी के अध्यक्ष इमरान अली गुड्डू, पूर्व सदस्य याकूब खान और समाजसेवी अबसार अहमद खान ने बताया कि हज यात्रियों की सुविधा के लिए आवेदन प्रक्रिया को पारदर्शी और सुगम बनाया गया है। जिले के आवेदक किसी भी एमपी ऑनलाइन, कियोस्क या अधिकृत सेंटर के माध्यम से अपना फॉर्म आसानी से भर सकते हैं। हज यात्रा के आवेदन हेतु कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देना अनिवार्य किया गया है, जिसमें यात्रा के लिए वैध पासपोर्ट, दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो सफेद बैकग्राउंड के साथ, आधार कार्ड या पैन कार्ड, बैंक पासबुक की प्रति, ब्लड ग्रुप का प्रमाण पत्र। इसके अलावा, यदि आवेदक को कोई अन्य बीमारी है, तो उसकी जानकारी फॉर्म में स्पष्ट रूप से देना अनिवार्य है। हज कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि आवेदन और यात्रा से जुड़ी अन्य विस्तृत जानकारी केंद्रीय हज कमेटी की आधिकारिक वेबसाइट पर देखी जा सकती है। इसके अलावा, किसी भी प्रकार की सहायता या मार्गदर्शन के लिए आवेदक भोपाल हज हाउस के दूरभाष क्रमांक 0755-2530139 पर संपर्क कर सकते हैं।

मोबाइल चलाने से रोका तो घर छोड़ निकलीं तीन नाबालिग

देवास। गुना से मोबाइल चलाने पर प्रतिबंध, डांट-फटकार और मारपीट से परेशान होकर 13, 14 और 15 वर्ष की तीन नाबालिग छात्राएं घर छोड़कर निकल गईं। वे स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थीं और ट्रेन से इंदौर जाने का इरादा था, लेकिन गलती से देवास स्टेशन पर उतर गईं। देवास पुलिस ने उन्हें सुरक्षित बरामद कर लिया है। छात्राओं ने गुना से देवास तक करीब 300 किलोमीटर का ट्रेन सफर लगभग 5 घंटे में तय किया। देवास स्टेशन पर संदिग्ध अवस्था में घूमते देख पुलिस ने तीनों से पूछताछ की। इसके बाद उन्हें वन स्टॉप सेंटर भेज दिया गया।

वन स्टॉप सेंटर में सेंटर एडमिनिस्ट्रेटर गोदावरी यादव और परामर्शदाता गरिमा पाठक ने बालिकाओं की काउंसलिंग की। गोदावरी यादव ने बताया कि चार घंटे से अधिक समय तक चली काउंसलिंग और पूछताछ में शुरूआत में छात्राओं ने कुछ भी बताने से इनकार किया। हालांकि, समझाइश के बाद उन्होंने अपनी पूरी बात रखी।

भरड़ मावि को दूसरी बार राष्ट्रीय पहचान, स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग में जिले से एकमात्र चयन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

शासकीय माध्यमिक विद्यालय भरड़ ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर शाजापुर जिले का नाम रोशन किया है। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, भारत सरकार द्वारा घोषित स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग 2025-26 में मध्य प्रदेश के चयनित 10 विद्यालयों में शाजापुर जिले का एकमात्र विद्यालय शासकीय माध्यमिक विद्यालय भरड़ शामिल हुआ है। यह उपलब्धि विद्यालय ने दूसरी बार हासिल की है। स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग भारत सरकार की महत्वपूर्ण पहल है, जिसके तहत सुरक्षित पेयजल, बाल-अनुकूल शौचालय, हाथ धुलाई सुविधा, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, ऊर्जा संरक्षण, हरित परिसर, पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली तथा व्यवहार परिवर्तन आधारित गतिविधियों सहित विभिन्न मानकों पर विद्यालयों का मूल्यांकन किया जाता है। प्रदेश की 78,149 शालाओं ने इस प्रक्रिया में भाग लिया था, जिनमें से केवल 10 विद्यालय सभी मानकों पर खरे उतरे। इनमें भरड़ विद्यालय ने भी अपनी जगह बनाई। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व वर्ष 2016-17 में भी इस विद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इस बार की उपलब्धि राज्य शिक्षा केंद्र के स्वच्छ एवं हरित गतिविधि प्रभारी अतुल त्रिवेदी, जिलाधीश ऋतु बाफना, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी एवं जनपद स्रोत समन्वयक के मार्गदर्शन तथा प्रधानाध्यापक घनश्याम पाटीदार, समुदाय और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों से संभव हुई है। विद्यालय में नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के साथ योग, व्यायाम, खेल, नैतिक शिक्षा, ईमानदारी की दुकान, पक्षियों के लिए दाना बैंक, पेयजल व्यवस्था, अनुशासन, इको क्लब के माध्यम से पौधों का संरक्षण, स्वच्छता अभियान तथा पॉलीथीन मुक्त विद्यालय जैसी गतिविधियों का भी प्रभावी संचालन किया जा रहा है, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

भारत सरकार से 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलेगी

उपलब्धि पर भारत सरकार द्वारा विद्यालय को मेरिट प्रमाण-पत्र के साथ स्वच्छता एवं हरित गतिविधियों के सुदृढ़ीकरण के लिए 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी।

शराब की लत के कारण टूटा था रिश्ता, अब तस्वीरें वायरल कर तुड़वाई युवती की सगाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

जिले में बदले की भावना और मानसिक प्रताड़ना का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक सिरफिरे पूर्व मंगेतर ने अपनी ही पूर्व मंगेतर की जिंदगी में इस कदर जहर घोल दिया कि उसकी नई शुरूआत ही तबाह हो गई। शराब की लत के कारण दो साल पहले टूटा रिश्ता आरोपी को इस कदर नागवार गुजरा कि उसने युवती की दूसरी जगह तय हुई सगाई भी उसकी पुरानी निजी तस्वीरें ससुराल पक्ष को भेजकर तुड़वा दी। इतना ही नहीं, आरोपी द्वारा युवती को जान से मारने की धमकी देने और सरेआम पीछा कर प्रताड़ित करने का गंभीर मामला सामने आया है, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहनबड़ोदिया थाना क्षेत्र की रहने वाली 28 वर्षीय पीड़िता ने अपने पिता और चाचा के साथ थाने पहुंचकर नामजद शिकायत दर्ज कराई है। युवती ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2020 में उसकी सगाई ग्राम खेड़ा बमोरी के रहने वाले विजय नामक युवक के साथ तय हुई थी। रिश्ते में बंधने के कारण उस वक्त दोनों के बीच सामान्य बातचीत होती थी और इसी दौरान कुछ निजी तस्वीरें भी ली गई थीं। हालांकि, कुछ समय बाद ही युवती और उसके परिवार को विजय की शराब की लत के बारे में पता चल गया। इसके चलते वर्ष 2022 में दोनों परिवारों ने आपसी सहमति से यह रिश्ता खत्म कर दिया था, लेकिन सगाई टूटने के बाद भी आरोपी विजय लगातार फोन कर पीड़िता को मानसिक रूप से परेशान करता रहा।

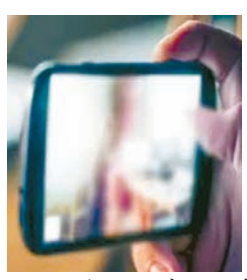

आरोपी की प्रताड़ना का सिलसिला यहीं नहीं रुका। युवती ने अपनी शिकायत में बताया कि बीते 2 जुलाई को जब वह अपने चाचा के साथ शाजापुर स्थित बीकेएसएन कॉलेज जा रही थी, तब आरोपी विजय ने बाइक से उनका पीछा किया और दहशत फैलाने की कोशिश की। लगातार मिल रही धमकियों और पीछा किए जाने से परेशान होकर अंततः युवती ने पुलिस की शरण ली। मोहनबड़ोदिया थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शुक्रवार शाम को आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की बारीकी से जांच की जा रही है।

दी थी जान से मारने सी धमकी

पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़िता ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि 28 मई 2026 को आरोपी ने उसे व्हाट्सएप पर कॉल किया और सख्त लहजे में धमकी दी कि यदि उसने कहीं और शादी की, तो वह उसे जान से मार देगा। इन धमकियों के बीच जब 31 मई को युवती का रिश्ता दूसरी जगह तय हो गया, तो बौखलाए आरोपी ने उसकी पुरानी निजी तस्वीरें होने वाले ससुराल वालों को भेज दीं। इस घिनौनी हरकत का नतीजा यह हुआ कि 14 जून को युवती की नई सगाई टूट गई।

पारिवारिक विवाद में चौराहे पर चक्का जाम करने वाले चार लोग गिरफ्तार

देवास। देवास शहर में एक पारिवारिक विवाद शनिवार रात महिला थाने तक पहुंच गया। सुनवाई के दौरान एक पक्ष के लोगों ने मधु मिलन चौराहे पर चक्का जाम कर दिया। सूचना मिलने पर औद्योगिक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए यातायात बहाल कराया और चार लोगों को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, विवाद बहू और ससुराल पक्ष के बीच था। बहू का आरोप था कि उसके ससुर के निधन की सूचना उसे नहीं दी गई। जब वह शोक व्यक्त करने ससुराल पहुंची, तो वहां विवाद हो गया। वहीं, ससुराल पक्ष का दावा है कि बहू ने घर आकर हंगामा किया। दोनों पक्ष अपनी शिकायत लेकर महिला थाने पहुंचे थे, जहां उनकी सुनवाई चल रही थी। इसी दौरान, एक पक्ष के कुछ लोग थाने से निकलकर मधु मिलन चौराहे पर पहुंच गए और सड़क पर बैठकर चक्का जाम कर दिया। इससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ। चक्का जाम की सूचना मिलते ही औद्योगिक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन जब वे नहीं माने, तो उन्हें वहां से हटाकर यातायात सुचारु कराया गया। औद्योगिक थाना प्रभारी शशिकांत चौरसिया ने बताया कि दोनों पक्षों की सुनवाई चल रही थी, तभी एक पक्ष ने चक्का जाम किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर चक्का जाम समाप्त कराया और चार लोगों को गिरफ्तार किया है। चक्का जाम में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जन अभियान परिषद स्थापना दिवस पर 62 छात्रों को साइकिलें मिलीं

अकोदिया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस पर शनिवार को सैनिक महेश मेवाड़ा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मदाना में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 62 विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित की गईं, पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, परिषद पदाधिकारी, शिक्षक, विद्यार्थी और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया ने जन अभियान परिषद के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि परिषद समाज को शासन की योजनाओं से जोड़ने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जनभागीदारी बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। सिसोदिया ने प्रधानमंत्री के ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान से प्रेरणा लेते हुए प्रत्येक नागरिक से पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। ब्लॉक समन्वयक मुकेश सोलंकी ने परिषद की गतिविधियों और समाज में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

जेन सोशल ग्रुप बडौद द्वारा नेत्र शिविर का आयोजन

बडौद। जैन सोशल ग्रुप बडौद एवं मुरलीधर कृपा हॉस्पिटल. मक्सी के नेतृत्व में नि.शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन श्री महावीर जैन विद्या मंदिर बडौद में आयोजित किया गया, जिसमें 150 मरीजों ने नेत्र परीक्षण कराया एवं 30 मरीजों को मोतियाबिन्द के आपरेशन चयनित किया जिनको ऑपरेशन हेतु मक्सी ले जाया गया। शिविर में डॉ विजय पटेल, सहयोगी प्रदीप भावसार, हरपाल सिंह, दीपक मालवीय आदि ने सेवाएं प्रदान की! ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश कोठारी के आव्हान पर वृक्षारोपण सप्ताह के पहले दिन बडौद ग्रुप द्वारा श्री महावीर जैन विद्या मंदिर में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष पंकज पिछोलिया, राजेन्द्र लाडवा राठौर, कमलेश नवलखा, प्रकाश चोरडिया, हेमंत तरवैचा, मनोज चंद्र गोत्रीय आदि सदस्य उपस्थित रहे। जैन सोशल ग्रुप द्वारा लगातार कई वर्षों से इस शिविर का आयोजन किया जाता जो कि महीने के पहले रविवार को आयोजित किया जाता है।

अकोदिया में बच्चे कीचड़ से स्कूल जाने को मजबूर, शासन ध्यान दें

अकोदिया। अकोदिया क्षेत्र की जनपद पंचायत मोहन बड़ोदिया अंतर्गत ग्राम पंचायत मुंडलाय में बारिश के बाद खराब सड़कें स्कूली बच्चों के लिए परेशानी का कारण बन गई हैं। कंकरखेड़ा हनुमान मंदिर क्षेत्र की कॉलोनी के बच्चे रोजाना कीचड़ और दलदल से होकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। हाल ही में स्कूल बस भी रास्ते में कीचड़ में फंस गई, जिसे ग्रामीणों ने धक्का लगाकर बाहर निकाला। बारिश के बाद पूरा रास्ता कीचड़ से भर गया है। बच्चे हाथ में चप्पल लेकर नंगे पैर स्कूल पहुंचते हैं। रास्ते में कई बार फिसलने से उनकी यूनिफॉर्म, जूते, कॉपियां और किताबें भी खराब हो जाती हैं। कंकरखेड़ा हनुमान मंदिर के पास रहने वाले 15 से 20 परिवार लंबे समय से पक्की सड़क की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हल्की बारिश में भी सड़क दलदल में बदल जाती है, जिससे पैदल चलना और वाहन निकालना मुश्किल हो जाता है।

फोगाट फैमिली को आमिर खान की शादी का न्योता नहीं दिया...

गीता की शादी में भिवानी आ चुके, बर्थडे में भी निमंत्रण मिला; गौरी स्प्रैट से करेंगे शादी

बॉलीवुड अभिनेता अमिर खान 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। इस शादी में फोगाट फैमिली को न्योता नहीं मिला है। दंगल मूवी रिलीज होने के बाद ये पहला बड़ा मौका है, जब फोगाट फैमिली आमिर खान के निजी फंक्शन में शामिल नहीं होगी।

आमिर खान खुद भी गीता फोगाट के फैमिली फंक्शन में आ चुके हैं। आमिर ने बेटी इरा खान की शादी में भी फोगाट परिवार को निमंत्रण भेजा था। आमिर की बर्थ-डे पार्टी में भी ये परिवार शामिल हो चुका है। अब आमिर खान 61 साल की उम्र में गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट से तीसरी शादी करने जा रहे हैं। द्रोणाचार्य अवार्डी महावीर फोगाट और उनकी बेटी गीता फोगाट का कहना है कि इस बार उन्हें कोई निमंत्रण नहीं मिला है।

गीता फोगाट की शादी में आए थे आमिर खान

आमिर खान नवंबर 2016 में भिवानी में गीता फोगाट की शादी में आए थे। वे मुंबई से दिल्ली तक एयर प्लेन और दिल्ली से भिवानी चार्टर्ड प्लेन से आए थे। यहां गीता के फैमिली ने उनकी अगवानी की थी। इसके बाद आमिर सीधे गीता के गांव बलाली पहुंचे थे। शादी में उनके साथ दंगल फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी, गीता की मां दयाकौर का किरदार निभा रही साक्षी तंवर, गीता का किरदार निभा रही फातिमा शेख, बबीता फोगाट का किरदार निभाने वाली सान्या मल्होत्रा भी शादी में शामिल हुई थी।

आमिर के बर्थ-डे में शामिल हुई फोगाट फैमिली

2017 में आमिर खान के 52वें जन्मदिन पर फोगाट परिवार शामिल हुआ था। आमिर के जन्मदिन की पार्टी में महावीर सिंह फोगाट और उनके परिवार को खासतौर पर आमंत्रित किया गया था। आमिर खान ने मुंबई स्थित घर पर जन्मदिन की पार्टी आयोजित की थी जिसमें फोगाट परिवार के कई सदस्य शामिल हुए थे। गीता फोगाट ने बातचीत में बताया- आमिर खान ने उन्हें अपनी बेटी इरा खान की शादी का निमंत्रण भेजा था। मगर वो शादी में व्यक्तिगत कारणों से शामिल नहीं हो पाए थे। 3 जनवरी 2024 को फिटनेस ट्रेनर नूपुर शिखारे के साथ आमिर खान की बेटी की शादी हुई थी।

मातृभूमि' पर सेंसर बोर्ड ने रोक नहीं लगाई

सलमान खान फिल्म्स ने सर्टिफिकेशन रुकी होने की खबरों को बताया बेबुनियाद

सलमान खान फिल्म्स ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर चल रही खबरों पर सफाई दी। प्रोडक्शन हाउस ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि फिल्म की सीबीएफसी सर्टिफिकेशन प्रक्रिया रुकी होने की खबरें पूरी तरह गलत और बेबुनियाद हैं।

बयान में कहा गया कि फिल्म को अभी तक सेंसर बोर्ड के पास सर्टिफिकेशन के लिए भेजा ही नहीं गया। इसलिए इस तरह की रिपोर्ट्स पर भरोसा न करें। सलमान खान फिल्म्स ने मीडिया और लोगों से अपील की कि बिना पुष्टि की जानकारी न फैलाएं। फिल्म से जुड़े सभी आधिकारिक अपडेट केवल उनके ऑफिशियल प्लेटफॉर्म पर ही शेयर किए जाएंगे। दरअसल, हाल ही में कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म 'मातृभूमि' को सर्टिफिकेट देने पर फिलहाल रोक लगा दी है। फिल्म 'मातृभूमि' साल 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प पर आधारित है। पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवान' रखा गया था। फिल्म को पहले 17 अप्रैल को ईद के मौके पर रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसकी रिलीज डेट टल गई। इस फिल्म का प्रोडक्शन सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने किया है और इसके डायरेक्टर अपूर्व लाखिया हैं।

पीएम मोदी के हमशक्ल को ईशा समझ बैठीं असली

एक्ट्रेस और बिग बॉस फेम ईशा मालवीय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में वह एक पल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हमशक्ल को पीएम मोदी समझ बैठीं। जिसके बाद वहां मौजूद पैपराजी और दूसरे लोग हंसने लगे।

दरअसल, ईशा ब्राइट एंटरटेनमेंट अवॉर्ड्स 2026 के रेड कार्पेट पर पहुंची थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात पीएम मोदी के हमशक्ल से हुई। उन्हें देखते ही ईशा चौंक गईं और मुस्कुराते हुए कहा,

ओह, मोदी जी!

हालांकि, बाद में उन्हें रियलाइज हुआ कि वे पीएम मोदी के हमशक्ल हैं। इसके बाद उन्होंने हमशक्ल से हाथ मिलाया और कैमरे की ओर देखकर कहा, ₹गाइज, हमारे साथ मोदी जी हैं।₹ ईशा ने पीएम मोदी के जिन हमशक्ल से मुलाकात की, वह विकास महांते हैं। विकास महांते मुंबई के जाने-माने बिजनेसमैन, एक्टर और समाजसेवी हैं। उनकी शक्ल, दाढ़ी और बोलने का अंदाज पीएम मोदी से काफी मिलता-जुलता है, जिसकी वजह से लोग उन्हें देखते ही भ्रमित हो जाते हैं।

विकास कई चुनावों के दौरान बीजेपी और उसके सहयोगी दलों के प्रचार कार्यक्रमों में भी नजर आ चुके हैं।

Sport

फेडरर को हराने वाला 'कल्ट हीरो' 10 साल बाद लौटा

डिप्रेशन और तंगी झेलने वाले मार्कस ने पत्नी के कहने पर विम्बलडन में वापसी की

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

खेल की दुनिया में कुछ कहानियां इतनी फिल्मी होती हैं कि उन पर यकीन करना मुश्किल होता है। ऐसी ही एक कहानी है ब्रिटेन के 35 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी मार्कस विलिस की।

2016 में दुनिया के 772वें नंबर के खिलाड़ी विलिस ने क्वालिफायर से सफर शुरू कर विम्बलडन में रोजर फेडरर के खिलाफ मैच खेला था। हालांकि, वे मैच सीधे सेटों में हार गए थे, लेकिन फेडरर के सिर के ऊपर से लगाए गए उनके एक जादुई लॉब शॉट ने उन्हें दुनिया भर में मशहूर कर दिया था। एक दशक बाद, विलिस फिर से विम्बलडन में लौटे हैं, लेकिन बिल्कुल नए रूप और नई भूमिका में। 10 साल पहले

मुकाबला दो अलग-अलग दुनिया के लोगों के बीच था। एक तरफ दुनिया के सबसे अमीर खिलाड़ियों में शामिल फेडरर थे, तो दूसरी तरफ विलिस, जिन्होंने उस पूरे साल टेनिस से सिर्फ 24 हजार रुपए कमाए थे। वे अनफिट थे, जंक फूड के शौकीन थे और खेल छोड़ने वाले थे, लेकिन उनकी गर्लफ्रेंड ने उन्हें खेलते रहने के लिए मनाया था। फेडरर से मैच के बाद उन्हें कुछ समय तो खूब शोहरत मिली, टीवी पर इंटरव्यू हुए, लेकिन जल्द ही यह जादू खत्म हो गया। लगातार लगने वाली चोटों और डिप्रेशन के कारण विलिस ने साल 2018 में टेनिस को पूरी तरह अलविदा कह दिया।

कंस्ट्रक्शन कंपनी में ईंट बिछाने का काम किया

साल 2020 में कोरोना के दौरान जब पैसों की भारी किल्लत हुई, तो परिवार चलाने के लिए इस खिलाड़ी ने अपने भाई की कंस्ट्रक्शन कंपनी में ईंट बिछाने का काम किया। कुछ समय बाद जब स्थितियां बदलीं, तो एक पारिवारिक मित्र ने उनके पेशेवर कमबैक का खर्च उठाने का फैसला किया। विलिस खुद दोबारा खेलने को लेकर दुविधा में थे, लेकिन पत्नी जेनी ने उनसे कहा, ह्यजाओ और खेलो, जिंदगी में ऐसा मौका दोबारा नहीं मिलेगा।ह्ल पत्नी के इसी भरोसे ने उन्हें फिर से कोर्ट पर उतारा। इस बार उन्होंने सिंगल्स के बजाय खुद को डबल्स खिलाड़ी के रूप में ढाला।

गुरबाज के सिर से टोपी लेकर भागा फैन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अफगानिस्तान की शपगीजा क्रिकेट लीग में एक फैन मैदान में घुसकर रहमनुल्लाह गुरबाज के सिर से टोपी लेकर भाग गया। उस समय गुरबाज फील्डिंग कर रहे थे। मामला शुक्रवार रात बैंड-ए-अमीर ड्रैगन्स और मिस ऐनक नाइट्स के मैच का है।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट हुआ। 38 सेकेंड के वीडियो में एक शख्स सीधे गुरबाज के पास पहुंचा। गुरबाज ने उससे हाथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन फैन उनके सिर से कैप उतारकर भाग गया। उसने बाउंड्री पर सैल्यूट कर इसका जश्न भी मनाया। एक सुरक्षाकर्मी उसके पीछे दौड़ता दिखा। ओपनर खालिद तनिवाल ने 22 गेंदों पर 53 रन बनाए। इसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल थे। गुरबाज ने 30 गेंदों पर 52 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 51 गेंदों पर 102 रन की साझेदारी की। खोव्स्त में ड्रैगन्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 114 रन बनाए। अजीजुल्ला मियाखिल 30 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे। मुजीब उर रहमान ने 3 विकेट लिए।

लाहिरू उदारा ने डेब्यू टेस्ट में 188 रन बनाए

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में मजबूत शुरूआत की है। टीम ने मुकाबले के पहले दिन 5 विकेट पर 338 रन बना लिए हैं। 32 साल के ओपनर लाहिरू उदारा ने डेब्यू मैच में 248 गेंदों पर 188 रनों की पारी खेली। वे दोहरा शतक लगाने से सिर्फ 12 रन से चूक गए। एंटीगुआ के सर विव रिचर्ड्स स्टेडियम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। उदारा को पाथुम निसंका की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। पहले वेस्टइंडीज ने दो विकेट लेकर मैच में थोड़ी वापसी की।

जोकोविच ने फेडरर के विंबलडन रिकॉर्ड की बराबरी की

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में रोजर फेडरर के सबसे ज्यादा मेंस सिंगल्स मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी ने फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को हराकर ऑल इंग्लैंड क्लब में अपनी 105वीं जीत दर्ज की।

विंबलडन के इतिहास में अब सिर्फ मार्टिना नवरातिलोवा 120 जीत के साथ जोकोविच से आगे हैं। वहीं, महिला वर्ग में आर्यना सबालेंका और नाओमी ओसाका चौथे दौर में आमने-सामने होंगी। 39 साल के जोकोविच ने 25वीं वरीयता प्राप्त आर्थर रिंडरकनेच को हराया। उन्होंने पहले दो सेट अपने नाम किए, लेकिन रिंडरकनेच ने तीसरा सेट 6-1 से जीतकर मुकाबले में वापसी की। चौथा सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा, जहां जोकोविच ने जीत दर्ज की।

करीब तीन घंटे चले मुकाबले के अंतिम पॉइंट पर रिंडरकनेच के ड्रॉप शॉट को बचाने के लिए जोकोविच ने डाइव लगाई। दोनों खिलाड़ी कोर्ट पर गिर पड़े, लेकिन जोकोविच ने पॉइंट जीत लिया। उनकी जीत के बाद सेंटर कोर्ट पर मौजूद दर्शक खड़े होकर तालियां बजाते नजर आए। रिकॉर्ड की बराबरी के बाद जोकोविच ने हंसते हुए कहा, मैं रोजर के साथ 106वें मैच का प्रस्ताव रखता हूं। जो जीतेगा, रिकॉर्ड उसी का होगा। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक कोर्ट पर इतिहास का हिस्सा बनना उनके बचपन के सपनों में शामिल था।

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय 10 से 01 बजे तक
आवेदनः 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल 36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बरः-2557390

विज्ञप्ति
क्षीरसागर कॉलोनी स्थित भूखण्ड क्रमांक 3 नजर अली मार्ग, पथ क्रमांक 3, उत्तरमुखी खुला भूखण्ड 46 फीट बाय 66 फीट विक्रय किया जाना है। वास्तविक इच्छुक व्यक्ति ही स्वयं सम्पर्क करें, मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है।
चन्द्रकान्त शुक्ला
मो. 9406801039

मकान बेचना है
गणेशपुरा मक्सी रोड मेन चौराहा, गली नंबर 1 में 20x40 में निर्मित सर्वसुविधा युक्त मकान बेचना है।
संपर्क 8717818385

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

आवश्यकता है
टाइपिस्ट की आवश्यकता है समय रात्रि 7:30 से 10:30 तक वेतन योग्यतानुसार।
संपर्क करें
एडवोकेट विजय पटेल
मीणा समाज धर्मशाला काजीपुरा अंकपत मार्ग उज्जैन
मोबाइल- 9301322699

कार ड्रायवर चाहिये
इंदौर का भरोसेमंद और प्रसिद्ध ब्रांड अब उज्जैन में
आज ही हमारे साथ ड्रायवर पार्टनर के रुप में रजिस्टर करें और अपनी सुविधा अनुसार काम करके अच्छी कमाई करें।
अभी संपर्क करें
JOMO Jomoride
9179179929, 8602299929

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन
वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क मो.9575477077

खरीदना / किराए से चाहिए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहिए
संपर्क 9893374872

इन्दौर में 2 BHK फ्लेट बेचना है।
सीता श्री रेसीडेंसी
ऐयर पोर्ट मेनरोड कालानी नगर के पास
ग्राउंड फ्लोर में 4 बैंक व 4 दुकाने है
पास में, मेट्रो स्टेशन निर्माणाधीन मोके की जगह।
सीधे आनर से संपर्क करें। 9669578652

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें 9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क 7773077762

अवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक और युवती की। कोट पेन्ट बनाने वाले कारीगर की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है। प्रोमिस टेलर मेट्रो टॉकीज के सामने (उज्जैन)
संपर्क करें 7974817308, 9516848052

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क 9111328540

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

प्राचार्य किशोर परमार को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार

महिदपुर। शासकीय यशवंत उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महिदपुर के प्राचार्य किशोर परमार को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपे जाने पर विद्यालय परिवार एवं शिक्षा जगत में हर्ष का वातावरण है। इस अवसर पर शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने परमार को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में विकासखण्ड की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलेगी। इसी क्रम में संजय त्रिवेदी एवं शांतिलाल सूर्यवंशी के शासकीय यशवंत उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महिदपुर में स्थानांतरण होने पर विद्यालय परिवार द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। पुष्पगुच्छ भेंट कर दोनों शिक्षकों का अभिनंदन किया गया तथा उनके अनुभव और सेवाओं से विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता में और अधिक वृद्धि होने की आशा व्यक्त की गई। विद्यालय परिवार ने प्राचार्य किशोर परमार को अतिरिक्त दायित्व के लिए शुभकामनाएं देते हुए नवागत शिक्षकों का स्वागत किया तथा उनके उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की।

साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता को लेकर बैठक संपन्न

जगोटी । साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता लाने के लिए सैफ क्लिक 2.0अभियान चलाया जा रहा है, इसी तारतम्य में जगोटी पंचायत भवन में शनिवार को राघवी थाना टी आई वीरेंद्र सिंह बंदेवार ने बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों को साइबर अपराधों को लेकर विस्तृत जानकारी दी, आपने बताया कि इंटरनेट के माध्यम से सोशल मीडिया, फ्राड, फर्जी लिंक, फिशिंग, ओटीपी, बैंकिंग धोखाधड़ी, क्यू आर कोड़, फर्जी निवेश,, गोपनीय जानकारी को लेकर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि जागरूक रहकर ही हम इस आधुनिक धोखाधड़ी से बच सकते हैं। इस अवसर पर अनंत शर्मा, दिनेश वर्मा, जगन्नाथ शर्मा, गंगाराम चौधरी, सुरेश चौधरी, रमेश जाट, प्रभुलाल ठाकुर, बाबूलाल आंजना, रामेश्वर पटेल, शिवनारायण शर्मा ताजपुर, लालू सिंह यादव, मोहनलाल पांचाल सहित गणमान्य नागरिक गण मौजूद थे। संचालन अखिलेश सिंह व आभार अरविंद यादव ने व्यक्त किया। इस अवसर पर साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता संबंधी पर्चे बांटे गए।

सड़क किनारे लगे सब्जी के हाथ ठेलों के कारण बिगड़ रही यातायात व्यवस्था

ब्यावरा। राजगढ़ जिले का ब्यावरा शहर इन दिनों अतिक्रमण और यातायात अव्यवस्था के कारण लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है पीपल चौराहे से अहिंसा द्वार तक तथा मुख्य बाजार और सुठालिया रोड पर लगातार बढ़ते अतिक्रमण और नियमों की अनदेखी के चलते राहगीरों वाहन चालकों और रहवासियों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा, यातायात को सुगम बनाने के लिए पीपल चौराहे पर लाखों रुपए की लागत से बने जिस पार्क को ध्वस्त किया गया था अब वह स्थान सब्जी विक्रेताओं की चपेट में आ चुका है, सड़क के दोनों और व्यापारियों ने अपनी दुकानों का सामान बोर्डिंग और बैनर सड़क तक फैला दिए इससे सड़क की चौड़ाई काफी कम हो गई स्थानीय नगर पालिका प्रशासन और पुलिस बल सड़क किनारे लगे सब्जी और फलफ्रूड के हाथ ठेलों को हटाकर यातायात व्यवस्था सुधारने का प्रयास किया गया लेकिन यह कार्यवाही अधिक समय तक प्रभावित नहीं रहती है कुछ ही दिनों के बाद फिर से हाथ ठेले सड़क किनारे लगने लगते है और पीपल चौराहा पहले की तरह अव्यवस्थित हो जाता है इससे राहगीरो और वाहन चालकों को हर समय जाम की स्थिति का सामना करना पड़ता है, उक्त समस्या का एक बड़ा कारण वाहनों का बीच सड़क पर खड़ा करना भी है, फिलहाल अब देखना है यह है कि नगर प्रशासन की यह व्यवस्था कितने दिन टिक पाती है।

बैंक ऑफ इंडिया ने स्कूली छात्राओं को किया पुस्तकों एवं पेन का वितरण

महिदपुर रोड। शनिवार को नगर के कन्या है स्कूल में सामाजिक दायित्व निर्माण के तहत बैंक ऑफ इंडिया की स्थानीय शाखा द्वारा अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सि बिलिटी योजना के अंतर्गत नगर के शासकीय कन्या हाई स्कूल, में स्कूली छात्राओं को अध्ययन सामग्री के रूप में पुस्तकें एवं पेन वितरित किये। कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक विनय शाक्य, क्रेडिट अधिकारी सोनू राठौड़, लखन डांगी एवं प्रह्लाद पोरवाल उपस्थित रहे। प्राचार्य अनिल सेठिया गोपाल तंवर ,बापूलाल चंद्रवंशी आदि ने बैंक अधिकारियों का स्वागत किया। बैंक शाखा प्रबंधक शाक्य ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को मन लगाकर अध्ययन करने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के लिये निरंतर प्रयास करने के लिये प्रेरित किया साथ ही बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानका री छात्राओं प्रदान की बैंक ऑफ इंडिया के सामाजिक एवं सराहनीय पहल पर स्कूली छात्राओं के चेहरे पर खुशी के भाव दिखाई दिये। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका पूनम रॉय ने किया आभार शिक्षक बापूलाल चंद्रवंशी ने माना।

मानसून में जनहानि रोकने के लिए एक्शन मोड में नगर पालिका

सारंगपुर थाना परिसर के तीन जर्जर भवनों को जेसीबी से किया गया जमींदोज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

आगामी वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही शहरवासियों की सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के लिए नगर पालिका परिषद सारंगपुर पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आ रही है। मानसून के दौरान जर्जर और कमजोर ढांचों के गिरने से होने वाली संभावित अप्रिय घटनाओं और जनहानि को रोकने के लिए नगर पालिका द्वारा शहरभर में एक विशेष सुरक्षा अभियान चलाया जा रहा है। इसी कडी में गुरुवार को नगर पालिका की टीम ने सीएमओ दीपक रानवे के नेतृत्व में बडी कार्रवाई करते हुए स्थानीय थाना परिसर में स्थित तीन अत्यंत पुराने और जीर्ण-शीर्ण हो चुके भवनों को जेसीबी मशीन की मदद से सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया।

सीएमओ दीपक कुमार रानवे ने बताया कि भवनों को ढाए जाने के तुरंत बाद मौके से मलबे को हटाने का कार्य भी नगर पालिका के अमले द्वारा शुरू कर दिया गया, ताकि आवागमन में कोई बाधा उत्पन्ना हो।

सीएमओ श्री रानवे ने स्पष्ट किया कि नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। वर्षा ऋतु के दौरान किसी भी प्रकार की जनहानि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी तारतम्य में नगर पालिका परिषद सारंगपुर द्वारा मानसून पूर्व पूरे शहर में जीर्ण-शीर्ण और खतरनाक भवनों का एक विस्तृत सर्वे कराया गया है। सर्वे के आधार पर, नगर पालिका सीमा के अंतर्गत आने वाले ऐसे सभी निजी और व्यावसायिक कमजोर भवनों को चिन्हित किया गया है। जन सुरक्षा को प्रभावित करने वाले इन भवन स्वामियों को मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम की धारा 221 के अंतर्गत वैधानिक सूचना पत्र (नोटिस) जारी किए जा चुके हैं। नोटिस के माध्यम से मकान मालिकों को स्पष्ट हिदायत दी गई है कि वे या तो अपने खतरनाक हिस्सों को स्वयं हटा लें या आवश्यक होने पर तकनीकी सुधार (रिपेयरिंग) सुनिश्चित करें। थाना परिसर में आज हुई इस महत्वपूर्ण ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान मुख्य रूप से निकाय उपयंत्री विक्की ब्राह्मणे, नगर पालिका कर्मचारी गौरव शर्मा, गोकुल पुष्पद सहित नगर पालिका का राजस्व और मस्टर अमला मुस्तैद रहा। नगर पालिका की इस त्वरित और सुरक्षात्मक कार्रवाई की जागरूक नागरिकों और पुलिस प्रशासन द्वारा भी सराहना की जा रही है।

बारिश में बना हुआ था अचानक गिरने का गंभीर खतरा

कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए सीएमओ रानवे ने बताया कि थाना परिसर में बने ये तीनों सरकारी भवन काफी समय से खाली पडे थे और देखरेख के अभाव में अत्यंत जर्जर व खोखली स्थिति में पहुंच चुके थे। आगामी भारी बारिश के मौसम में इन भवनों के अचानक भरभरा कर गिरने का गंभीर खतरा बना हुआ था। चूंकि थाना परिसर में दिनभर आम नागरिकों, फरियादियों और पुलिसकर्मियों की भारी आवाजाही रहती है, इसलिए जन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन खतरनाक ढांचों को समय रहते हटाना बेहद अनिवार्य हो गया था।

खतरनाक ढांचों पर आगे भी जारी रहेगी सख्त कार्रवाई

जिन जीर्ण-शीर्ण या खंडहर हो चुके भवनों के आसपास लगातार आम लोगों और वाहनों का आवागमन बना रहता है, उन पर नगर पालिका द्वारा जनहित और जन सुरक्षा की दृष्टि से नियमानुसार कडी कार्रवाई की जाएगी। लापरवाही बरतने वाले भवन स्वामियों के खिलाफ सख्ती बरती जाएगी।

दीपक रानवे, सीएमओ, सारंगपुर

सड़क चौड़ीकरण से पाईप लाईन क्षतिग्रस्त

पेयजल सप्लाई बंद 15 दिन से पानी के लिए गांव में हाहाकार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंगोरिया

उन्हेल से इंगोरिया सड़क चौड़ीकरण कार्य चल रहा है। नाला निर्माण हेतु की गई खुदाई से गांव से चौपाटी तक 1 किलोमीटर के दायरे में जगह जगह से पाईप लाईन फुट गई है। ग्राम वासियों और चौपाटी के लोगों को 15 दिन से पेय जल आपूर्ति नहीं हो रही है।

ग्राम पंचायत भी आम लोगों को पेय जल आपूर्ति करवाने हेतु प्रयास नहीं कर रही है। लोगों को पानी के लिए इधर उधर भटकना पड़ रहा है । गांव में पानी के लिए हाहाकार और निजी बोरवेल वालों के यहां अफरा तफरी मची हुई हैं। 15 दिन पहले स्कूल के सामने नाला निर्माण हेतु गड्ढा खोदा गया था तब भी 10 दिन तक जल सप्लाई बंद हो गई थी। ठेकेदार मेसर्स रमेश कुमार बंसल के द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा है। जे सी बी से पुरानी सड़क और नाले की खुदाई की गई थी जिससे ग्राम पंचायत की नल जल योजना की पाईप लाईन फुट गई थी। गांव से चौपाटी तक 1 किलोमीटर के दायरे में 3-4 जगह से क्षतिग्रस्त हो गई है। जिससे 15 दिन से ग्राम की नल जल व्यवस्था ठप्प पड़ी है। नल जल योजना बंद होने से पूरे ग्राम को जल की आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा भी नहीं करवाई जा रही है।

गांव में टैंकर से जल की व्यवस्था की जाए

ग्रामवासियों ने ग्राम पंचायत से मांग की है कि जब तक पाईप लाईन दुरस्त नहीं हो गांव में टैंकर से जल की व्यवस्था की जाए। नल जल योजना के ऑपरेटर भगवान परमार ने बताया कि शुक्रवार को चौपाटी पर दोबारा से खुदाई कर टूटी हुई पाइप लाइन को ढूंढने का प्रयास किया गया था पर सफलता नहीं मिली।

संस्था के 15 वर्ष पूर्ण होने पर स्कूली बच्चों को बांटे बैग और कॉपियां

सारंगपुर। सफलता और समाज सेवा जब एक साथ मिलते हैं, तो वह पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन जाते हैं। ऐसा ही एक सराहनीय उदाहरण पेश किया है पूजा पैथोलॉजी लैब सारंगपुर ने। अपनी स्थापना के सफलतापूर्वक 15 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, लैब द्वारा ग्राम बाबल्दा के शासकीय विद्यालय में छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग, कॉपियां और पेन वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी ठाकुर बद्रीलाल राजपूत ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष बनवारीलाल मालवीय, सेवादल जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ठाकुर, यशवंत सिंह, अन्तर सिंह, मोहन सिंह, विजय सिंह, महेंद्र सिंह, संतोष सिंह सहित बडी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन केपी बना ने किया एवं आभार प्रदर्शन ठाकुर हिन्दू सिंह राजपूत ने व्यक्त किया। अपने उद्बोधन में ठाकुर हिन्दू सिंह राजपूत ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा समाज को दिशा दिखाने के साथ-साथ एक सशक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में फरार आरोपियों, स्थाई वारंटियों एवं गंभीर अपराधों में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बोडा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बलात्कार के आरोपी को गिरफ्तार किया। नाबालिक बालिका की रिपोर्ट पर आरोपी अंकित पिता विजेन्द्र सासी निवासी हुलखेडी के विरुद्ध महिला थाना राजगढ एवं थाना बोडा मे अपराध कायम कर विवेचना मे लिया मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी बोडा ने विशेष टीम गठित कर आरोपी को जो ग्राम हुलखेडी मे छिपा हुआ था को दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया।

गेहूं उपार्जन में अनियमितता पर जिला प्रशासन सख्त –

समिति प्रबंधकों, कंप्यूटर ऑपरेटरों एवं राजस्व अधिकारियों पर की गई कार्रवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ ब्यावरा-राजगढ़

रबी विपणन वर्ष 2026-27 के गेहूं उपार्जन के दौरान किसान पंजीयन एवं सत्यापन प्रक्रिया में अनियमितताएं पाए जाने पर जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की। जांच प्रतिवेदनों के परीक्षण में यह तथ्य सामने आया कि कुछ प्रकरणों में किसान पंजीयन नीति के प्रावधानों का पालन नहीं किया गया तथा भूमि अभिलेखों एवं आधार कार्ड में दर्ज नामों की विसंगति के बावजूद सत्यापन कर पंजीयन स्वीकृत कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप अपात्र अथवा अन्य व्यक्तियों के रकबे के आधार पर गेहूं उपार्जन किए जाने से शासन को आर्थिक क्षति पहुंचने की स्थिति निर्मित हुई। जांच में पाया गया कि किसान पंजीयन नीति के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार केवल उन्हीं किसानों का पंजीयन किया जाना था, जिनके भूमि अभिलेख एवं आधार कार्ड में दर्ज नाम समान हों वहीं नामों में विसंगति होने की स्थिति में तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार द्वारा पटवारी प्रतिवेदन के आधार पर विधिवत सत्यापन के उपरांत ही पंजीयन मान्य किया जाना था। संबंधित प्रकरणों में इन प्रावधानों का उल्लंघन पाया गया।

साइबर अपराधों से बचाव के लिए महिदपुर पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान, 3500 से अधिक लोगों को किया जागरूक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा संचालित 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान के अंतर्गत महिदपुर थाना पुलिस ने शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक साइबर जागरूकता अभियान चलाकर विद्यार्थियों एवं आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए। अभियान के दौरान करीब 3500 लोगों को साइबर ठगी से बचने के संबंध में जानकारी दी गई।

यह अभियान पुलिस अधीक्षक उज्जैन प्रदीप शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) करणदीप सिंह (भापुसे) तथा एसडीओपी महिदपुर जेंडेन लिंगजेरपा (भापुसे) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

थाना पुलिस ने तहसील कार्यालय, बस स्टैंड, विजय स्तंभ, फकीर मोहल्ला, ग्राम पंचायत नारायणा, नारायणा चौराहा, अयोध्या बस्ती चौराहा, कटन चौराहा, लाखाखेड़ी, बागला, चोरवासा, धाराखेड़ा, धुलेट, कढ़ाई, जमातखाने के सामने, गोरी दूध डेयरी (नारायणा रोड), सेंट जोसेफ स्कूल, हाई सेकेंडरी स्कूल, इंदिरा कॉलोनी, अंबेडकर चौराहा तथा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सहित विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों को अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, ओटीपी एवं पासवर्ड किसी के साथ साझा नहीं करने, पुलिस द्वारा वीडियो कॉल के माध्यम से गिरफ्तारी नहीं किए जाने, क्यूआर कोड स्कैन करते समय सावधानी बरतने तथा साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी।

इस अभियान में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक पाटीदार के नेतृत्व में उप निरीक्षक एन.एस. कनेश, उप निरीक्षक अन्नपूर्णा कठेरिया, उप निरीक्षक सुखसेन अरियाम, सहायक उप निरीक्षक वीरेन्द्र प्रतापसिंह परिहार, सहायक उप निरीक्षक पन्नालाल अलावे सहित थाना महिदपुर पुलिस के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका रही।

मोतीलाल व्यास को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित

नागदा। श्री सहस्त्र औदीच्य ब्राह्मण समाज नागदा द्वारा समाज के अग्रज एवं वरिष्ठ समाजसेवी स्व. मोतीलाल व्यास पटेल (ग्राम नागुखेड़ी, जिला देवास) के देवलोकगमन पर प्रकाश नगर नागदा स्थित समाज की धर्मशाला में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में समाज के वरिष्ठजनों ने व्यास के समाज सेवा, सादगी एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सुंदरलाल जोशी, रामचंद्र त्रिवेदी, चंदनसिंह व्यास, डॉ. आर.सी. रावल, प्रहलादसिंह पंड्या, निरंजन उपाध्याय, डॉ. कैलाश जोशी, मांगीलाल शर्मा, देवेश मेहता, श्रीमती निर्मला रावल, महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती सुमित्रा पंड्या, श्रीमती शारदा व्यास तथा गोविंद माधव ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप रावल ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए स्व. व्यास के प्रति विनम्र श्रद्धांजलि व्यक्त की। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित समाजजनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा पुष्पांजलि अर्पित कर अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का समापन शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना के साथ हुआ। जानकारी मीडिया प्रभारी निलेश मेहता ने दी।

सुठालिया वृहद सिंचाई परियोजना का मंत्री पंवार ने किया स्थल निरीक्षण

ब्यावरा-राजगढ़ । प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी सुठालिया वृहद सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों का शनिवार को प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग नारायण सिंह पंवार ने स्थल पर पहुंचकर विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने निमार्णाधीन मुख्य बांध सहित परियोजना के विभिन्न कार्यों का अवलोकन कर प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों से निर्माण की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री श्री पंवार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना के प्रत्येक कार्य को निर्धारित तकनीकी मानकों, उच्च गुणवत्ता एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्वती नदी पर राजगढ़ जिले की सुठालिया तहसील की बैराड ग्राम के नजदीक निर्मित हो रही यह परियोजना प्रदेश की प्रमुख वृहद सिंचाई योजनाओं में शामिल है। वर्ष 2018 में इस परियोजना को 1,375.24 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। साथ ही परियोजना अंतर्गत लगभग 25.50 मीटर ऊंचा, लगभग 4 किलोमीटर लंबा तथा 20 रेडियल गेटयुक्त कंपोजिट बांध निर्मित किया जा रहा है।बांध की सकल जल भंडारण क्षमता 201.35 मिलियन घनमीटर तथा लाइव स्टोरेज क्षमता 183.70 मिलियन घनमीटर होगी। इसके साथ दो अत्याधुनिक पंप हाउसों का निर्माण कर प्रेशराइज्ड पाइपलाइन आधारित आधुनिक सिंचाई प्रणाली विकसित की जा रही है, जिससे लगभग 49,800 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना से 174 ग्रामों को प्रत्यक्ष सिंचाई लाभ मिलेगा, जिनमें सुठालिया तहसील के 73, ब्यावरा तहसील के 71 तथा नरसिंहगढ़ तहसील के 30 ग्राम शामिल हैं।

पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मिसाल:

जाटव ने मोहल्ले वासियों के साथ मिलकर रोपे 11 पौधे

सारंगपुर। स्थानीय कस्बे में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढावा देने के लिए एक बेहद सराहनीय और अनुकरणीय प्रयास सामने आया है। कस्बे के प्रसिद्ध गायत्री मंदिर के ठीक सामने रहने वाले सजग और जागरूक नागरिकों ने न केवल सामूहिक रूप से पौधारोपण किया, बल्कि उनकी नियमित देखरेख सुनिश्चित कर उन्हें एक नया जीवन भी दिया है। इस पुनीत और लोक-कल्याणकारी कार्य में स्थानीय निवासी रामप्रसाद जाटव और उनके मोहल्ले वासियों की मुख्य भूमिका अत्यंत प्रेरणादायी सिद्ध हो रही है। आमतौर पर अधिकांश लोग वर्षा ऋतु के आगमन पर ही पौधारोपण करना पसंद करते हैं, क्योंकि उस समय पौधों को प्राकृतिक रूप से पानी मिल जाता है और उनके जीवित रहने की संभावना अधिक होती है। इसके विपरीत, उदनखेडी के इन कर्मठ निवासियों ने सबसे कठिन समय यानी भीषण और चिलचिलाती गर्मी के मौसम में इस पुनीत अभियान की शुरूआत की थी। उन्होंने गायत्री मंदिर क्षेत्र के सामने खाली पड़ी बंजर और सूखी भूमि का चयन किया और वहाँ 11 विभिन्ना छायादार व फलदार प्रजातियों के पौधे रोपे। उस झुलसा देने वाली गर्मी में छोटे-छोटे नाजुक पौधों को बचाए रखना एक बेहद बड़ी और कठिन चुनौती थी, लेकिन मोहल्ले वासियों के दृढ़ संकल्प के आगे मौसम की मार भी पूरी तरह फीकी पड़ गई।

न्यूज कॉलम

सीएचएमओ कार्यालय के पीछे युवक का शव मिला, सिर पर पत्थर से वार के निशान मिले

इंदौर। सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र में रविवार सुबह सीएचएमओ कार्यालय के पीछे एक अज्ञात युवक का शव मिला। युवक के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। शुरुआती जांच में पुलिस हत्या की आशंका जता रही है। पुलिस के मुताबिक घटना पालिका प्लाजा के पीछे स्थित मंदिर के ओटले की है। रविवार सुबह स्थानीय लोगों ने करीब 45 वर्षीय व्यक्ति का शव पड़ा होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके पर जांच के दौरान युवक के सिर पर पत्थर से वार किए जाने जैसे गंभीर चोट के निशान मिले। पुलिस का मानना है कि युवक की हत्या कर शव यहां फेंका गया हो सकता है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों में गुमशुदगी की जानकारी जुटाने के साथ उसकी शिनाख्त के प्रयास कर रही है। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है, ताकि आरोपी और घटनाक्रम का पता लगाया जा सके।

बाइक के टूल बॉक्स में छिपा रखी थी एमडी ड्रग्स क्राइम ब्रांच ने 2 अंतरराज्यीय बदमाशों को पकड़ा

इंदौर। बाइक के टूल बॉक्स में एमडी ड्रग्स छिपाकर तस्करी के लिए ले जाने वाले दो अंतरराज्यीय बदमाशों को क्राइम ब्रांच ने धरदबोचा। उनके पास से 1 लाख 70 हजार रुपए कीमत की ड्रग्स सहित 2 लाख 10 हजार रुपए का माल जब्त किया। बदमाश राजस्थान से एमडी ड्रग्स लाकर इंदौर में बेचने की फिराक में घूम रहे थे। इंदौर क्राइम ब्रांच डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शहर में क्राइम ब्रांच की टीम लगातार ड्रग्स तस्करी करने वालों की तलाश कर उन पर कार्रवाई कर रही है। टीम को जानकारी मिली, जिस पर टीम ने टीसीएस चौराहा, नंदबाग मेन रोड पर घेराबंदी की। चेकिंग के दौरान टीम ने बाइक सवार दो संदिग्ध लोगों को रोका और उनसे पूछताछ की। इस पर वे घबराने लगे। टीम ने जब उनकी बाइक चेक की तो बाइक के टूल बॉक्स में एक ट्रांसपरेंट प्लास्टिक में 17 ग्राम एमडी ड्रग्स मिली। पूछताछ में बदमाशों ने अपने नाम दीवान सिंह पिता रतन सिंह निवासी रतनपुरा खेड़ा, जिला झालावाड़, राजस्थान और लक्ष्मण सिंह पिता बुद्ध सिंह निवासी मोगरा भवानीमंडी, जिला झालावाड़ा, राजस्थान बताया।

35 दिन पहले ट्रेन हादसे में मृतक की हुई पहचान मुस्लिम रीति-रिवाज से दोबारा होगा अंतिम संस्कार

आलीराजपुर। आलीराजपुर के घोंघसा में 29 मई की सुबह रेलवे ट्रैक पर मिले अज्ञात युवक के शव की 35 दिन बाद पहचान हो गई है। हादसे के समय शव का चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को अज्ञात मानकर दफना दिया था। घटना के 35 दिन बाद एक युवक सामने आया, जो हादसे के समय फरहान के साथ रेलवे ट्रैक पर मौजूद था। इस दुर्घटना में उसकी भी तीन उंगलियां कट गई थीं। युवक ने पुलिस को बताया कि उसके साथ मौजूद व्यक्ति फरहान था। इसके बाद पुलिस ने फरहान की तलाश शुरू की तो पता चला कि ट्रैक पर मिला अज्ञात शव उसी का था। सूचना मिलने पर पुलिस ने फरहान के बड़े भाई को बुलाया। चप्पल, हाथ पर बने टैटू और कपड़ों के आधार पर उन्होंने शव की पहचान फरहान के रूप में की। शिनाख्त के बाद परिजनों ने थाने में आवेदन देकर शव को कब्र से निकालकर मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार दोबारा दफनाने की अनुमति मांगी है।

झाबुआ बस स्टैंड की धर्मशाला और दुकानें गिराने का ई-टेंडर जारी

झाबुआ। झाबुआ बस स्टैंड पर स्थित पुरानी धर्मशाला और उसमें संचालित 13 दुकानों को हटाने का विवाद अब निर्णायक मोड़ पर आ गया है। नगर पालिका प्रशासन ने जर्जर हो चुके इस पूरे भवन को जमींदोज करने के लिए ई-टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। दूसरी तरफ, प्रभावित दुकानदारों के पुनर्वास और हितों की रक्षा को लेकर आगामी 6 जुलाई को नगर पालिका परिषद का विशेष सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। भवन की खस्ताहाल स्थिति को देखते हुए नगर पालिका के सीएमओ मिलन पटेल द्वारा 2 जुलाई को ई-निविदा जारी की गई है, जिसमें टेंडर जमा करने की अंतिम तारीख 20 जुलाई तय की गई है। ठेका मिलने के 15 दिनों के भीतर सफल एजेंसी को यह जर्जर भवन गिराना होगा। इससे पहले, नगर पालिका ने 13 जून को इन सभी दुकानों को सील करते हुए इन्हें खाली करने का अल्टीमेटम दिया था, जिसकी समय सीमा अब समाप्त हो चुकी है। वर्तमान में एक दुकानदार ने स्वेच्छा से अपनी दुकान खाली कर दी है, जबकि तीन अन्य ने सामान हटाने के लिए प्रशासन से कुछ और समय मांगा है।

बिजली पोल लगाते समय आउटसोर्स कर्मचारी की मौत, दो घायल

आलीराजपुर। आलीराजपुर जिले के दरखड़ गांव में गुरुवार सुबह बिजली का पोल लगाते समय बड़ा हादसा हो गया। नए बिजली पोल खड़े करने के काम के दौरान एक भारी-भरकम खंभा अचानक गिर गया। हादसे में आउटसोर्स कर्मचारी मुखदार (25) निवासी दरखड़ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बिजली पोल लगाने का काम चल रहा था। इसी दौरान खंभा गिरने से तीन लोग करंट की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल अमर सिंह और जागर सिंह को तत्काल आलीराजपुर जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां दोनों का इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि बिजली पोल लगाने का कार्य बिना सुरक्षा मानकों और बिजली विभाग के किसी जिम्मेदार अधिकारी की मौजूदगी के किया जा रहा था। घटना के बाद कार्यप्रणाली और सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि जिलेभर में बिजली कंपनी द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों से बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के काम कराया जा रहा है।

छह माह में जिले के 327 लोगों ने सड़क हादसों में गंवाई जान, फिर भी नहीं सुधर रहे हालात

धार। देश में हर तीन मिनट में एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत हो रही है और इस भयावह स्थिति को बदलने के लिए सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन बनाना होगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे ने बुधवार को धार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में ये बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि हेलमेट और सीट बेल्ट केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि जीवन बचाने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। न्यायमूर्ति सप्रे ने कलेक्टर कार्यालय में आयोजित बैठक में जिले में पिछले पांच वर्षों के सड़क हादसों, ब्लैक स्पाट्स और सड़क सुरक्षा उपायों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर राजीव रंजन मीणा, एसपी सचिन शर्मा, अपर कलेक्टर संजीव केशव पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

धार के गंगा महादेव क्षेत्र में प्राचीन पांडवकालीन मंदिर को तोड़फोड़ कर ढहाया, ग्रामीणों में आक्रोश

धार। जिले के प्रसिद्ध पांडवकालीन माने जाने वाले धार्मिक स्थल गंगा महादेव क्षेत्र स्थित सदियों पुराने पुरातात्विक महत्व के प्राचीन मंदिर में बीती रात अज्ञात शरारती तत्वों द्वारा तोड़फोड़ कर उसे ढहा दिए जाने की घटना सामने आई है। इससे क्षेत्र में धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक धरोहर को आघात पहुंचा है। काले पत्थरों से निर्मित यह प्राचीन स्तंभनुमा मंदिर अपनी अनूठी शिल्पकला और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। बीती रात अज्ञात लोगों ने मंदिर परिसर में तोड़फोड़ कर संरचना को क्षति पहुंचाई, जिससे मंदिर का अधिकांश हिस्सा ढह गया। घटना की जानकारी सुबह ग्रामीणों को लगी, जिसके बाद बड़ी संख्या में सुल्तानपुर सहित आसपास के गांवों के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर अमझेरा थाना प्रभारी राजू मकवाना एवं नायब तहसीलदार काशीराम वास्केल सहित प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और स्थिति का जायजा लिया। स्थानीय लोगों का प्रारंभिक अनुमान है कि अज्ञात लोगों ने गड़े धन के लालच में इस प्राचीन मंदिर को निशाना बनाया होगा। इसी उद्देश्य से मंदिर परिसर में तोड़फोड़ कर संरचना को क्षति पहुंचाई गई। बताया जा रहा है कि मंदिर के आसपास कुछ स्थानों पर पेड़ों के कटे होने के निशान भी पाए गए हैं।

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना में तेजी: टनल का काम सितंबर तक पूरा होने की संभावना

पातालपानी से कालाकुंड का रोमांचक ट्रेन सफर फिर शुरू होगा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

पश्चिम रेलवे अगस्त महीने से इंदौर के पास प्रसिद्ध पातालपानी-कालाकुंड हेरिटेज ट्रेन का संचालन दोबारा शुरू करने जा रहा है, इसके कोच फिलहाल मेंटेनेंस के लिए बीकानेर भेजे गए हैं।

इंदौर और आसपास के पर्यटन प्रेमियों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी अगस्त महीने से पातालपानी और कालाकुंड के बीच प्रसिद्ध हेरिटेज ट्रेन का संचालन दोबारा शुरू करने की तैयारी की जा रही है। वर्तमान में इस विशेष ट्रेन के कोचों को मेंटेनेंस कार्य के लिए बीकानेर भेजा गया है। उम्मीद जताई जा रही है कि जुलाई के अंत तक ये सभी कोच वापस लौट आएंगे, जिसके तुरंत बाद अगस्त में पर्यटकों के लिए इस सेवा को बहाल कर दिया जाएगा।

पर्यटकों को अगस्त में मिलेगी सौगात

इसके साथ ही इंदौर-दाहोद नई रेल परियोजना को लेकर भी एक महत्वपूर्ण अपडेट आया है। टीही के आगे बनाई जा रही टनल का निर्माण कार्य आगामी सितंबर महीने तक हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा। टनल का काम खत्म होने के ठीक बाद कमिश्नर रेलवे सेफ्टी यानी सीआरएस द्वारा इस पूरे रूट का बारीकी से इंस्पेक्शन किया जाएगा। सीआरएस से आवश्यक सुरक्षा क्लीयरेंस सर्टिफिकेट मिलने के बाद, बहुत जल्द धार तक ट्रेनों का नियमित संचालन शुरू करने का रास्ता साफ हो जाएगा।

महाकाल और सिंहस्थ को लेकर पश्चिम रेलवे की विशेष प्राथमिकताएं

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक रामाश्रय पांडेय ने स्पष्ट किया है कि पर्यटन और धार्मिक महत्व से जुड़े तमाम रेल प्रोजेक्ट्स को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। उज्जैन में होने वाले आगामी सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए रेलवे अभी से कई स्तरों पर बड़ी योजनाएं तैयार कर रहा है। हाल ही में उन्होंने इंदौर और उसके आस-पास के क्षेत्रों में चल रहे विभिन्न रेल प्रोजेक्टों की विस्तृत समीक्षा बैठक भी की। इस उच्च स्तरीय समीक्षा में इंदौर-दाहोद परियोजना, टीही टनल और महू-खंडवा गेज कन्वर्जन प्रोजेक्ट की प्रगति का जायजा लिया गया। उन्होंने मौके पर मौजूद सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सारे प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम किया जाए और इन्हें तय समय सीमा के भीतर ही पूरा किया जाए।

इंदौर बना साइबर सुरक्षा का अग्रदूत, ट्रैफिक नियमों के पालन का दिया संदेश

सेफ क्लिक 2.0 मैराथन में जुटे हजारों प्रतिभागी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

साइबर अपराधों की रोकथाम एवं आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सैफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार नवाचारपूर्ण जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इंदौर नगरीय पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने 5 जुलाई 2026 को प्रातः 6 बजे नेहरू स्टेडियम, इंदौर से एक भव्य साइबर जागरूकता मैराथन का आयोजन किया गया।

मैराथन का शुभारंभ पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह और उद्योगपति विनोद अग्रवाल ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं अतिथियों की साथ हरी झंडी दिखाकर किया।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा आयोजित इस इस मैराथन में 6,080 से अधिक इंदौरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 6 किलोमीटर की इस मैराथन में नेहरू स्टेडियम से जीपीओ, नवलखा, भंवरकुआं चौराहा होते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम तक निर्धारित मार्ग में बच्चों, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं पुलिसकर्मियों ने साइबर अपराधों के विरुद्ध जागरूकता का संदेश देते हुए पूरे जोश के साथ दौड़ लगाई और समाज को यह संदेश दिया कि सेफ क्लिक, सुरक्षित जीवन।

प्रतिभागियों के लिए विशेष जुंबा सत्र का आयोजन- मैराथन प्रारंभ होने से पूर्व प्रतिभागियों में उत्साह एवं ऊर्जा का संचार करने के लिए विशेष जुंबा सत्र का आयोजन भी किया गया। प्रशिक्षकों के निर्देशन में हजारों प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक जुंबा कर स्वयं को फिटनेस और साइबर जागरूकता के इस अभियान से जोड़ा। इस अनूठी पहल ने कार्यक्रम में और अधिक जोश एवं ऊर्जा का संचार किया। सभी अतिथियों एवं अधिकारियों ने स्वयं भी मैराथन में भाग लेकर नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। इंदौर पुलिस का यह आयोजन केवल एक मैराथन नहीं, बल्कि साइबर सुरक्षित समाज के निर्माण की दिशा में एक जन-आंदोलन बनकर उभरा, जिसमें हजारों नागरिकों ने एकजुट होकर डिजिटल सुरक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाने का संकल्प लिया।

पुलिस कमिश्नर ने दिलाई साइबर सुरक्षा की शपथ

- मैराथन प्रारंभ होने से पूर्व पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं साइबर अपराधों के प्रति जागरूक रहेंगे तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करेंगे। उद्योगपति विनोद अग्रवाल ने भी अपने उद्बोधन द्वारा प्रतिभागियों को साइबर अपराध के प्रति सजग रहने की बात कही।
- इस अवसर पर एडिशनल कमिश्नर मयंक अवस्थी, एडिशनल कमिश्नर आरके सिंह, डीसीपी अभिषेक रंजन, डीसीपी क्राइम राजेश कुमार त्रिपाठी, एडिशनल डीसीपी ओमप्रकाश, एडिशनल डीसीपी मीना चौहान, एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया, मेदांता हॉस्पिटल के डॉ. भरत रावत, सीए संकेत भंडारी, नितिन चतुर्वेदी सहित एसीपी, थाना प्रभारी और अन्य अधिकारीगण और इंदौर के जागरूक नागरिक उपस्थित रहे।

रेंजर पर दुष्कर्म की एफआईआर

10 महीने पहले इंस्टाग्राम पर हुई थी पहचान इसके बाद होटल में बनाए शारीरिक संबंध

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

आजाद नगर थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आरोपी रेंजर है और महाराष्ट्र में ट्रेनिंग कर रहा है। दोनों की पहचान इंस्टाग्राम पर हुई थी। इसके बाद आरोपी इंदौर आया और युवती से शारीरिक संबंध बनाए। बाद में उसने शादी करने से इनकार कर दिया।

आजाद नगर पुलिस ने बताया कि 26 वर्षीय युवती की शिकायत पर पुलिस ने अजय पुत्र अशोक सोलंकी, निवासी ग्राम वजहर, जुलवानिया, जिला बड़वानी के खिलाफ शनिवार को दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अजय रेंजर है और महाराष्ट्र में ट्रेनिंग कर रहा है।

करीब 10 महीने पहले दोनों की पहचान इंस्टाग्राम पर हुई थी, जिसके बाद उनकी बातचीत शुरू हुई। कुछ समय पहले अजय युवती से मिलने इंदौर के आजाद नगर क्षेत्र आया और उसे एक होटल में ले जाकर शारीरिक संबंध बनाए। बाद में उसने शादी करने से इनकार कर दिया।

दोनों परिवारों के बीच भी बातचीत हुई, लेकिन मामला नहीं सुलझा। इसके बाद युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

दो बच्चों की मां से दुष्कर्म

तेजाजी नगर पुलिस ने 32 वर्षीय महिला की शिकायत पर एक आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। महिला के पति की मौत हो चुकी है। आरोपी से उसकी पहचान काम के दौरान हुई थी। तेजाजी नगर पुलिस ने बताया कि खंडवा रोड क्षेत्र में रहने वाली महिला की शिकायत पर उमेश सोनवाने, निवासी देवास नाका, के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, महिला के पति का निधन हो चुका है। वह एक कपड़ों की दुकान पर काम करती है। अगस्त 2024 में उसकी पहचान उमेश से हुई थी, जिसके बाद दोनों के बीच दोस्ती हो गई।

सलमान हत्याकांड का अंतिम फरार आरोपी नौशाद भी गिरफ्तार

उज्जैन में पकड़ाया, पुलिस ने निकाला जुलूस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ पीथमपुर

सागौर थाना क्षेत्र के चर्चित सलमान हत्याकांड में फरार चल रहे मामले के सातवें और अंतिम मुख्य आरोपी नौशाद पिता करमशाह को पुलिस ने उज्जैन से गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में छह अन्य आरोपियों को पहले ही पकड़ा जा चुका है।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी नौशाद को रविवार को साक्ष्य जुटाने और मौका-मुआयना कराने के लिए मृतक सलमान के घर के सामने लेकर पहुंची। इस दौरान जब पुलिस आरोपी को गली से लेकर गुजरी, तो उसे देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और मृतक

के परिजन एकत्रित हो गए। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। मृतक सलमान के पिता शमशुद्दीन पटेल और अन्य परिजनों ने पुलिस प्रशासन की इस तुरंत कार्रवाई की सराहना की है। शमशुद्दीन पटेल ने कहा कि पुलिस ने जिस तत्परता से अंतिम फरार आरोपी को गिरफ्तार किया और उसका जुलूस निकाला, उससे कानून पर उनका भरोसा और मजबूत हुआ है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन और न्यायालय से गुहार लगाई है कि उनके बेटे के सभी हत्यारों को जल्द से जल्द फांसी की सजा दी जाए, ताकि उन्हें पूर्ण न्याय मिल सके। मामले की पुष्टि करते हुए सागौर के थाना प्रभारी प्रकाश सरोदे ने बताया कि आरोपी नौशाद घटना के दिन से ही फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारुल बेलापुरकर और सीएसपी रवि सोनेर के मार्गदर्शन में विशेष टीमें गठित की गई थीं।

दंपती के बीच चल रहा था विवाद, परिजनों ने जताया संदेह, पुलिस जांच में जुटी

लव मैरिज के दो महीने बाद युवक ने किया सुसाइड

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मल्हारगंज थाना क्षेत्र में 20 साल के एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक ने दो महीने पहले ही प्रेम विवाह किया था। शुरूआती जांच में पति-पत्नी के बीच विवाद की बात सामने आई है, जबकि परिजनों ने पूरे घटनाक्रम पर संदेह जताया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राजू (20) पुत्र भागीरथ वर्मा, निवासी हुजुरगंज के रूप में हुई है। शनिवार शाम परिजनों को

सूचना मिली कि राजू ने अपने घर में फांसी लगा ली है। सूचना मिलते ही परिवार मौके पर पहुंचा। परिजनों ने बताया कि राजू ने करीब दो महीने पहले प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद पति-पत्नी परिवार से अलग रह रहे थे। राजू एक प्रिंटिंग प्रेस में काम करता था। मृतक के भाई कुणाल ने आत्महत्या के मामले में संदेह जताते हुए पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था और कई बार परिवार के लोगों ने दोनों को समझाने का प्रयास भी किया था। मल्हारगंज पुलिस का कहना है कि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दंपती पर 9 लाख की धोखाधड़ी और धमकाने को लेकर एफआईआर दर्ज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

द्वारकापुरी थाना पुलिस ने प्लॉट बेचने के बाद कब्जा नहीं देने और खरीदार को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पति-पत्नी के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी का मामला दर्ज किया है।

प्लॉट बेचकर कब्जा नहीं दिया

पुलिस के अनुसार, वेंकटेश विहार निवासी राजेंद्र चौहान ने शिकायत में बताया कि उन्होंने दलाल प्रेम नारायण प्रजापति की मध्यस्थता से ग्राम सिरपुर स्थित गुरुशंकर नगर सेक्टर-एफ में 600 वर्गफीट का प्लॉट मनोज तिवारी और उनकी पत्नी ऋतु तिवारी से 9.10 लाख रुपए में खरीदा था। 10 जनवरी 2024 को नोटरी के माध्यम से सौदा हुआ था। फरियादी का दावा है कि भुगतान गवाहों की मौजूदगी में किया गया था, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी है। शिकायत के मुताबिक 23 मार्च 2025 को जब वह अपने भाई के साथ प्लॉट पर निर्माण कार्य शुरू कराने पहुंचा, तब मनोज तिवारी और ऋतु तिवारी मौके पर पहुंचे और निर्माण रुकवा दिया। आरोप है कि दोनों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद मनोज तिवारी और ऋतु तिवारी के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एटीएम में पैसा डालने के दौरान निकाल लेते थे कैश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

लसूड़िया थाना क्षेत्र में 40 लाख रुपए की अमानत में खयानत का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बैंकों के एटीएम में पैसा जमा करने वाले दो कर्मचारियों ने ही कड़ी सुरक्षा के बीच एटीएम में नकदी जमा कराने के दौरान नोट निकालना शुरू कर दिया। पिछले छह महीने से वे इस तरह पैसे निकाल रहे थे। उन्हें लगा था कि वे पकड़े नहीं जाएंगे, लेकिन ऑडिट में उनका राज खुल गया और वे पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

पूछताछ में पता चला कि उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग और ऑनलाइन आईपीएल सट्टे में पैसा गंवा दिया। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया तो उनके पास से केवल 2 लाख रुपए बरामद हुए। अब पुलिस बाकी रकम की तलाश में जुटी है।

कड़ी सुरक्षा के बीच निकाल लेते थे रुपए- एसीपी पराग सैनी ने बताया कि मामला सीएमएस कंपनी का है। इसमें दो कर्मचारी अभिषेक और दीपक काम करते हैं, जिन्हें कस्टोडियन कहा जाता है। दोनों पिछले एक साल से कंपनी में कार्यरत थे। वे रोजाना सुरक्षा के बीच नोटों से भरी पेटी कार में लेकर एटीएम तक जाते और उसमें नकदी जमा करते थे। पैसों को देखकर उनकी नीयत बिगड़ गई। एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों, गार्ड और गाड़ी में मौजूद गनमैन के बावजूद दोनों एटीएम में पैसा जमा करते समय नोट निकालने लगे।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com